PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 282 ● भिलाई, गुरुवार 21 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

इटली और भारत ने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक भागीदारी तक बढाने का निर्णय लिया: पीएम मोदी

रोम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और इटली ने व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे।

मोदी ने बुधवार को यहां इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि सुश्री मेलोनी के नेतृत्व में दोनों देशों के संबंधों को नयी गति और आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि इसे आगे बढाते हुए दोनों देशों ने अब अपने द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश आतंकवाद की कड़ी निंदा करते है और इसे मानवता के लिए गंभीर चुनौती मानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले लगभग साढे तीन वर्षों में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का अवसर मिला है। यह भारत और इटली के बीच घनिष्ठ सहयोग और सामंजस्य को दर्शाता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्म-विश्वास मिला है। मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाते हुए विशेष रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने की घोषणा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत और इटली मिलकर उत्पादों का डिजाइन तथा विकास करेंगे और इन्हें दुनिया को उपलब्ध करायेंगे।

मोदी ने कहा, इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार के पावरहाउस की है। इसलिए हम भारत और इटली में डिजाइन और विकास करेंगे और दुनिया के लिए वितरित करने के सिद्धांत पर आगे बढेंगे।

रक्षा औद्योगिक क्षेत्र में मिलकर काम करने की सहमति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा हमारे रक्षा औद्योगिक रोडमैप से सह-विकास और सह-उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग स्वाभाविक है। हम मिलकर शिपिंग, बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, रसद और समुद्री अर्थव्यवस्था पर काम करेंगे।

आतंकवाद पर दोनों देशों के रूख में समानता बताते हुए उन्होंने कहा, भारत और इटली एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। आतंक वित्तपोषण के खिलाफहमारी साझा पहल ने पूरे विश्व के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत और इटली ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जिम्मेदार लोकतंत्र केवल आतंकवाद की निंदा नहीं करतीं, बल्कि उसके वित्तीय नेटवर्क को तोड़ने के लिए ठोस कदम भी उठाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया को लेकर भी दोनों देश संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, यूक्रेन, पश्चिम एशिया तथा अन्य तनावों को लेकर हम लगातार संपर्क में रहे हैं। भारत का मत स्पष्ट है कि सभी समस्याओं का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से होना चाहिए।

ये नेतृत्व नहीं, सिर्फ नौटंकी है

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तब निशाना साधा जब इटली के प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी देते हुए उनका एक वीडियो वायरल हुआ। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सिर पर आर्थिक तूफान मंडरा रहा है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में मिठाइयाँ बाँटने में व्यस्त हैं!

उन्होंने आगे कहा कि किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सभी रो रहे हैं – प्रधानमंत्री हँस रहे हैं और रील बना रहे हैं, जबकि भाजपा के लोग तालियाँ बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इटली दौरे के दौरान उन्हें मेलोडी टॉफी का पैकेट उपहार में देने का वीडियो साझा किया। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत ही अच्छी टॉफी लेकर आए हैं—मेलोडी। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, फ्रउपहार के लिए धन्यवाद। बुधवार को अपलोड किए गए इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी भी नजर आते हैं और मेलोनी के 'मेलोडी' टॉफी के जिक्र पर हंसते दिखाई देते हैं। मोदी और मेलोनी के नामों के संयोजन के तौर पर 'मेलोडी' हैशटैग पहली बार इटली की प्रधानमंत्री ने 2023 में दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन के दौरान गढ़ा था। इसके बाद दोनों नेताओं की वैश्विक मंचों पर हुई गर्मजोशी भरी मुलाकातों के बीच यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मेलोनी ने उस समय भी सोशल मीडिया पर मोदी के साथ तस्वीर साझा करते हुए 'मेलोडी' हैशटैग के साथ लिखा था, कॉप-28 में अच्छे दोस्त। प्रधानमंत्री मोदी 15 से 20 मई तक संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में मंगलवार को रोम पहुंचे।

जशपुर में 94 वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत, 32 को मिल रही नियमित फिजियोथेरेपी सुविधा

सियान गुड़ी बन रही वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहारा और सम्मान का केंद्र

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित सियान गुड़ी बुजुर्गों के लिए देखभाल, स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक जुड़ाव का महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रही है।

समाज कल्याण विभाग की इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत जिले में अब तक 94 वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 32 बुजुर्गों को नियमित रूप से फिजियोथेरेपी की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें शारीरिक समस्याओं से राहत मिल रही है।

हाल ही में जिला अस्पताल की विशेषज्ञ टीम, जिसमें चिकित्सा अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, साइकेट्रिक नर्स और लैब तकनीशियन शामिल थे, इस टीम ने सियान गुड़ी और नशामुक्ति केंद्र के हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त जांच किया। टीम ने वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सलाह और काउंसिलिंग भी प्रदान की।

सियान गुड़ी में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से वरिष्ठ नागरिक विभिन्न मनोरंजक, सामाजिक और स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों में भाग लेते हैं। दिनभर की गतिविधियों के बाद शाम 6 बजे सभी पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में सुंदरकांड का पाठ किया जाता है, जिससे आध्यात्मिक और मानसिक शांति का वातावरण बनता है। सियान गुड़ी से लाभान्वित वरिष्ठ नागरिकों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केंद्र उनके लिए सम्मान, देखभाल और आत्मीयता का स्थान बन गया है।

समाज कल्याण विभाग ने जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सियान गुड़ी पहुंचकर इस उपयोगी सुविधा का लाभ उठाएं।

आवश्यकता अनुरूप अन्य जिलों में होगा कमिश्नर प्रणाली का विस्तार: विजय शर्मा

रायपुर। राजधानी रायपुर के बाद दुर्ग और बिलासपुर में भी कमिश्नरेट प्रणाली लागू करने पर विचार किया जा रहा है. उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आग्रह करने की बात कही है. उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर प्रणाली की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी. छोटे-छोटे विषय विभिन्न विभागों के कारण पेंडिंग हुआ करते थे. अभी रायपुर में कमिश्नर प्रणाली लागू है।

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ पीआईएल को किया खारिज, कहा- यह सरकार का नीतिगत फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है. अदालत ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत फैसला है और इसमें हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है. अदालत को इसमें दखल देने की जरूरत नहीं दिखती इसलिए जनहित याचिका को खारिज किया जाता है. याचिका में मांग की गई थी कि आगामी जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल न किया जाए।

भारत जिम्मेदार परमाणु शक्ति, 'नो फर्स्ट यूज़' की नीति पर कायम, लेकिन ब्लैकमेल नहीं सहेगा : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा है कि भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति है और इन हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करने की अपनी नीति पर दृढता से कायम है लेकिन वह परमाणु ब्लैकमेल को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगा।

सिंह ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के सोल में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की छवि में पहले की तुलना में बहुत बदलाव आया है और अब वह दुनिया में मुद्दों के समाधान देने वाली शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने भाषण के अंश साझा करते हुए कहा, पहले और आज के भारत में स्पष्ट अंतर है। कभी दुनिया भारत को केवल एक सॉफ्ट पावर के रूप में देखती थी, लेकिन आज दुनिया भारत को समाधान देने वाली शक्ति के रूप में देख रही है। दुनिया भर में विभिन्न टकरावों के दौरान परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका के बीच उन्होंने कहा , भारत एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति है और 'नो फर्स्ट यूज़' की नीति पर दृढ़ता से प्रतिबद्ध है लेकिन भारत किसी भी प्रकार के न्यूक्लियर ब्लैकमेल को कभी स्वीकार नहीं करेगा। सिंह ने कहा कि मोदी सरकार के दौरान देश में रक्षा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आया है। भारत की नीति अब 'रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव है ' और राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प के साथ भारत स्वदेशी रक्षा निर्माण को तेज़ी से बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने आत्मनिर्भरता पर बल दिया है तथा सामाजिक न्याय को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हुए बदलावों ने देश का यह विश्वास और मजबूत किया है कि भारत निश्चित रूप से विकसित बन रहा है।

शरद पवार ने जमकर की पीएम मोदी की तारीफ

बोले- वे भारत का मान बढ़ाने में जुटे

मुंबई। एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। मंगलवार शाम मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में पवार ने कहा कि राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने भी हमेशा देश के भविष्य और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

प्रधानमंत्री की तारीफ में क्या बोले शरद पवार?

एनसीपी एसपी प्रमुख ने कहा, राजनीतिक मतभेद भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा के आड़े नहीं आने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी विदेशों में देश के सम्मान को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। हमारी राजनीतिक सोच अलग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए। राज्यसभा सदस्य शरद पवार ने पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा आयोजित पूर्व पदाधिकारियों के सम्मान समारोह के दौरान अपने संबोधन में ये बातें कही।

> राजनीतिक मतभेद भारत प्रतिष्ठा की रक्षा के आड़े न आने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी वि में देश के सम्मान को बढ़ाने के लि काम कर रहे हैं। हमारी राजनीति सोच अलग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रहित सबसे ऊपर होना चाहिए
>
> शरद पवार, एनसीपी एसपी प्रमुख

अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों को याद करते हुए शरद पवार ने बताया कि वर्ष 1958 में 18 साल की उम्र में वे बारामती से पुणे आए थे, क्योंकि उस समय उनके गृह नगर में कॉलेज नहीं था। बाद में वे पुणे शहर यूथ कांग्रेस और फिर महाराष्ट्र यूथ कांग्रेस के प्रमुख बने। पवार ने एक घटना को साझा करते हुए कहा कि दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात उनके जीवन के यादगार पलों में शामिल है।

शरद पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों से जुड़े प्रसंग किए साझा

उन्होंने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछने के लिए किसानों और युवाओं से जुड़े कई सवाल तैयार किए थे, लेकिन नेहरू के प्रभावशाली व्यक्तित्व के सामने वे सब कुछ भूल गए। पवार ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा एक प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने कहा कि सोवियत संघ की यात्रा के दौरान इंदिरा गांधी ने भारतीय प्रधानमंत्री को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी। पवार ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सोवियत अधिकारियों से कहा था, मैं 40 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करती हूं। यदि उनके सम्मान का आदर नहीं होगा तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगी। कार्यक्रम के अंत में पवार ने विभिन्न दलों के पुराने सहयोगियों के एक मंच पर आने का स्वागत किया।

बोतल-जर्किन बैन तो निकाला देसी जुगाड़

बाइक में खत्म हुआ पेट्रोल, ट्रैक्टर ट्रॉली में लादकर पहुंचा पंप, वीडियो वायरल

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल पंपों पर बोतल और जर्किन में पेट्रोल देने पर लगी रोक के बीच गरियाबंद में एक ऐसा दिलचस्प मामला सामने आया है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को देखकर लोग जहां युवक की समझदारी और नियम पालन की तारीफकर रहे हैं, वहीं कई लोग इसे 'देसी जुगाड़ का शानदार उदाहरण' भी बता रहे हैं। मामला गरियाबंद-रायपुर रोड स्थित शांति फ्यूल्स पेट्रोल पंप का है। यहां मंगलवार को अचानक एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पेट्रोल पंप परिसर में पहुंची। ट्रॉली में कोई सामान नहीं, बल्कि एक मोटरसाइकिल रखी हुई थी। यह नज़ारा देखते ही पेट्रोल पंप कर्मचारी और वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। कुछ देर तक सभी की नजरें ट्रॉली में रखी बाइक पर ही टिकी रहीं।

जानकारी के मुताबिक, ग्रामीण युवक अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था, तभी रास्ते में उसकी बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। पहले उसने आसपास पेट्रोल की व्यवस्था करने की कोशिश की, लेकिन पेट्रोल पंपों में बोतल और जर्किन में पेट्रोल देने पर प्रतिबंध होने की वजह से उसे कहीं से पेट्रोल नहीं मिल पाया।

इसके बाद युवक ने हार नहीं मानी और गांव से गरियाबंद की ओर आ रहे एक ट्रैक्टर चालक से मदद मांगी। ट्रैक्टर चालक ने भी इंसानियत दिखाते हुए युवक और उसकी बाइक को ट्रॉली में बैठा लिया। फिर युवक अपनी बाइक को ट्रॉली में लादकर सीधे पेट्रोल पंप पहुंच गया।

पेट्रोल पंप पहुंचने पर जब कर्मचारियों और संचालक ने युवक से पूछा कि वह बाइक को ट्रॉली में रखकर क्यों लाया है, तब युवक ने पूरी कहानी बताई। उसकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग भी मुस्कुरा उठे। कई लोगों ने युवक की तारीफकरते हुए कहा कि उसने नियम तोड़ने के बजाय उसका पालन किया और सुरक्षित तरीका अपनाया।

शांति फ्यूल्स के संचालक दीप सिन्हा ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि लोग अब शासन के निर्देशों को गंभीरता से ले रहे हैं और नियमों का पालन भी कर रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों के अलग-अलग रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। कोई इसे 'ग्रामीण जुगाड़' बता रहा है तो कोई युवक की जागरूकता की तारीफकर रहा है। कई यूजर्स ने मज़ाकिया अंदाज में लिखा कि पेट्रोल नहीं मिला तो पूरी बाइक ही पंप पहुंच गई।

फिलहाल यह वीडियो गरियाबंद समेत आसपास के जिलों में चर्चा का विषय बना हुआ है और तेजी से वायरल हो रहा है।

मंझोली में मनरेगा का सचः मजदूरों का हक छीना, मशीनों से हुआ काम

कवर्धा। जिले के जनपद पंचायत पंडरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत मंझोली (रवन) में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत कराए गए निर्माण कार्य को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थल पर लगाए गए नागरिक सूचना पटल में दर्ज जानकारी और जमीनी हकीकत के बीच स्पष्ट अंतर दिखाई दे रहा है। नई बनी संरचना में जगह-जगह दरारें उभर आई हैं, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। नागरिक सूचना पटल के अनुसार यह कार्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत स्वीकृत है। कार्य का विवरण ग्राम पंचायत मंझोली (रवन) में 96 मीटर लंबाई के निर्माण कार्य के रूप में दर्ज है। प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक 3302004015/पीएफ/465238 अंकित है। स्वीकृति अवधि 19.02.2026 कार्य प्रारंभ तिथि 27.02.2026 एवं पूर्णता तिथि 27.03.2026 लिखी गई है। पटल पर प्रदर्शित वित्तीय जानकारी के अनुसार कुल स्वीकृत लागत लगभग 19.59 लाख रुपये बताई गई है। इसमें सामग्री लागत लगभग 17.51 लाख रुपये अंकित है। मजदूरी दिवसों की संख्या 913 दर्ज है तथा प्रति दिवस मजदूरी दर 261 रुपये दर्शाई गई है। तकनीकी सहायक के रूप में सुमित मंडपे एवं कार्यक्रम अधिकारी के रूप में बाबू लाल मेहरा का नाम और मोबाइल नंबर भी प्रदर्शित है। संबंधित सरपंच और ग्राम पंचायत का उल्लेख भी सूचना पटल पर मौजूद है। लेकिन निर्माण स्थल पर स्थिति कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। हाल ही में पूर्ण बताए जा रहे इस कार्य में कई स्थानों पर दरारें साफ दिखाई दे रही हैं। गुणवत्ता नियंत्रण के मानकों के अनुसार किसी भी निर्माण कार्य में प्रारंभिक चरण में ही दरारें उभरना गंभीर लापरवाही का संकेत माना जाता है। इससे न केवल सरकारी धन के समुचित उपयोग पर सवाल उठता है, बल्कि योजना की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। सबसे गंभीर आरोप खुदाई कार्य को लेकर सामने आया है। ग्राम पंचायत के पंच फानू सिंह राज ने बताया कि खुदाई का कार्य मजदूरों से नहीं, बल्कि जेसीबी मशीन से कराया गया है। यदि यह आरोप सत्य है, तो यह मनरेगा अधिनियम, 2005 की मूल भावना के प्रतिकूल है। अधिनियम के प्रावधानों एवं भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार मनरेगा एक श्रमप्रधान योजना है, जिसमें मशीनों का उपयोग प्रतिबंधित है, सिवाय विशेष परिस्थितियों के और वह भी सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से। मनरेगा में 60:40 का श्रम एवं सामग्री अनुपात अनिवार्य है। योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण बेरोजगारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना है। यदि खुदाई जैसे श्रमप्रधान कार्य में मशीनों का उपयोग हुआ है, तो यह न केवल मजदूरों के रोजगार के अधिकार का हनन है, बल्कि वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में भी आ सकता है। ग्राम स्तर पर लगाए गए नागरिक सूचना पटल का उद्देश्य पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। लेकिन जब पटल पर दर्ज 913 मानव दिवस और मौके पर मशीनों से कार्य कराए जाने के आरोप सामने आते हैं, तो यह पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। क्या कागजों में मजदूरों की हाजिरी दर्ज कर भुगतान दिखाया गया? क्या गुणवत्ता परीक्षण की औपचारिकता पूरी की गई? ये ऐसे प्रश्न हैं जिनका उत्तर प्रशासन को देना होगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए। निर्माण की गुणवत्ता का स्वतंत्र परीक्षण हो तथा मशीन उपयोग के आरोपों की सत्यता सामने लाई जाए। यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों, तकनीकी अमले और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम एवं वित्तीय नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। ग्राम पंचायत मंझोली (रवन) का यह मामला केवल एक निर्माण कार्य की खामियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन पर व्यापक प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

जब 96 मीटर के निर्माण में ही दरारें दिखाई देने लगें और श्रमिकों की जगह मशीनों के उपयोग के आरोप लगें, तो जवाबदेही तय करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी फाइलों के ढेर में दबकर रह जाएगा।

खिलोरा को विधायक दीपेश साहू की विकास सौगात लाखों के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बेमेतरा। सुशासन तिहार के अवसर पर विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में आयोजित समाधान शिविर विकास और जनकल्याण का केंद्र बन गया। शिविर में क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू ने ग्रामवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए करोड़ों नहीं बल्कि सीधे ग्रामीण जरूरतों से जुड़े ऐसे कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया, जिनसे गांव के लोगों को लंबे समय तक लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

लाखों रुपए की लागत से बने सीसी रोड का लोकार्पण

ग्राम खिलोरा में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में विधायक दीपेश साहू ने दो महत्वपूर्ण सीसी रोड निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें भोला के घर से पूरन के घर तक 5.20 लाख रुपए की लागत से निर्मित सीसी रोड तथा गयाराम के घर से मौली माता मंदिर तक 5 लाख रुपए की लागत से बने सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन शामिल है।ग्रामीणों ने लंबे समय से इन सड़कों की मांग की थी। बरसात के दिनों में कीचड़ और आवागमन की समस्या से परेशान ग्रामीणों को अब राहत मिलेगी। सड़क निर्माण से गांव के भीतर आवागमन सुगम होने के साथ-साथ मंदिर और आवासीय क्षेत्र तक पहुंच भी आसान होगी। लोकार्पण के दौरान ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

विधायक निधि से बोर खनन और वाटर कूलर की सौगात

ग्रामवासियों की पेयजल समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से 2.94 लाख रुपए की लागत से बोर खनन कार्य की सौगात दी गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 2 लाख रुपए की लागत से वाटर कूलर की सुविधा भी प्रदान की गई।ग्रामीणों ने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या काफी बढ़ जाती थी, लेकिन अब इन सुविधाओं से गांववासियों को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक द्वारा किए गए इन कार्यों को ग्रामीणों ने जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताया।

मंच निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

कार्यक्रम के दौरान विधायक दीपेश साहू ने ग्राम में 5 लाख रुपए की लागत से प्रस्तावित मंच निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन भी किया। यह मंच भविष्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन का प्रमुख केंद्र बनेगा। ग्रामीणों ने मंच निर्माण को गांव के विकास और सामाजिक गतिविधियों के लिए आवश्यक सुविधा बताया।

विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : विधायक दीपेश साहू

अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास और संवाद का मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांव-गांव तक विकास पहुंचाने की है, ताकि अंतिम व्यक्ति भी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा आज जिन कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है, वे केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि गांव के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। सड़क, पानी और मूलभूत सुविधाएं किसी भी गांव के विकास की आधारशिला होती हैं। हमारी सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है कि हर गांव आत्मनिर्भर और सुविधायुक्त बने। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में भी क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किए जाएंगे तथा ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं संचालित की जाएंगी। विधायक ने ग्रामवासियों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और विकास कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में भाजपा संगठन के कई पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सरपंच राधे साहू, उपसरपंच रिखीराम साहू, पंचगण एवं ग्रामवासियों द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में उत्साह और विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

पीएम आवास योजना में लापरवाही पर 700 से अधिक हितग्राहियों से होगी वसूली की तैयारी

बेमेतरा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों को अपूर्ण छोड़ने वाले 700 से अधिक हितग्राहियों पर अब प्रशासनिक कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ऐसे हितग्राही, जिन्होंने योजना की द्वितीय किस्त की राशि प्राप्त करने के बावजूद अपने आवास निर्माण कार्य को पूरा नहीं किया, उनके खिलाफ वसूली की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। जानकारी के अनुसार, संबंधित हितग्राहियों को पूर्व में नोटिस जारी कर आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अनेक मामलों में निर्देशों की अनदेखी की गई। इसके बाद प्रशासन अब दुरुपयोग की गई शासकीय राशि की वसूली के लिए संबंधित तहसीलों से वसूली प्रमाण पत्र जारी कराने की तैयारी में है। इस संबंध में जनपद पंचायत बेरला की मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीप्ति मंडावी ने हितग्राहियों की पेशी लेते हुए स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता का उपयोग केवल आवास निर्माण कार्य के लिए किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना में लापरवाही एवं राशि के दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीईओ मंडावी ने हितग्राहियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों ने नोटिसों की अनदेखी की है और अब तक आवास पूर्ण नहीं किया है, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संबंधित हितग्राहियों से शीघ्र आवास निर्माण पूर्ण करने की अपील भी की है।

10 किलो 539 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बाईक के साथ 02 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। यातायात बेमेतरा प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला एवं यातायात व थाना बेमेतरा पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की अवैध बिक्री में संलिप्त पर कार्रवाई तेज करते हुए 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से कीमती लगभग 01 लाख 52 हजार रूपये से भी अधिक की 10 किलो 539 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं घटना में प्रयुक्त पुराना इस्तेमाली मोटर सायकल कीमती करीबन 40,000/- रूपये, 02 नग मोबाईल कीमती 16,000/- रूपये, कुल जुमला लगभग 2,08,000/- रूपये को जप्त किया गया है।को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा स्टाफ को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि दो व्यक्ति जो बिना नंबर के मोटर सायकल में सिमगा से बेमेतरा की ओर जा रहे है जो अपने पास रखे बैग में गांजा रखे हुए है कि सूचना पर, उक्त सूचना के संबंध में अधिकारियो को अवगत कराया गया। अधिकारियो के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा सूचना के अधार पर घेराबंदी कर बेरला तिराहा कोबिया के पास, वेल्डिंग शाप के सामने, बेमेतरा सिमगा मार्ग में 02 आरोपियों को मोटर सायकल में अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ पकड़ा गया। आरोपी नितेश पटेल पिता रमेश पटेल उम्र 24 वर्ष, भोला ठाकुर ऊर्फ छोटे भाई ठाकुर पिता बालकिशन ठाकुर उम्र 25 वर्ष, दोनों निवासी भड़पुरा, थाना भेड़ाघाट जिला जबलपुर (म.प्र.) के कब्जे से 05 पैकेट में अवैध मादक पदार्थ गांजा 10 किलो 539 ग्राम कीमती करीबन 152,000/- रूपये एवं घटना में प्रयुक्त पुराना इस्तेमाली मोटर सायकल कीमती करीबन 40,000/- रूपये, 02 नग मोबाईल कीमती 16,000/- रूपये, कुल जुमला लगभग 2,08,000/- रूपये को जप्त किया गया है। जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा का 01 प्रकरण दर्ज कर 02 आरोपियों के विरूद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही की गई है। इस संपूर्ण कार्रवाई में यातायात बेमेतरा प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सउनि उदलराम टांडेकर, आरक्षक पुरुषोत्तम कुंभकार, शिव सेन, महेश जांगड़े, आशीष तिवारी एवं थाना बेमेतरा एवं यातायात स्टाफ की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाज पर सकारात्मक प्रभाव:

आरोपी पर कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

आज राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

जनऔषधि केंद्र रहेंगे खुले, आपात कालीन सेवाओं हेतु हेल्पलाइन जारी

बेमेतरा। राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर देशभर में एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद रखा जाएगा। संगठन के अंतर्गत देशभर के लगभग 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट एवं औषधि वितरक शामिल हैं। यह बंद ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला बेमेतरा के केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट संघ द्वारा भी बंद की अग्रिम सूचना का ज्ञापन कलेक्टर कार्यालय में सौंपा गया है। संभावित स्थिति को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जिला बेमेतरा ने जिलेवासियों से सतर्कता एवं आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में नागरिक तत्काल जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें। बंद के दौरान आमजनों को दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु जिला चिकित्सालय एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों को 24 घंटे खुले रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले के कुछ निजी दवा विक्रेता जैसे अपोलो फार्मेसी एवं धनवंतरी मेडिकल स्टोर्स इस बंद में शामिल नहीं हैं। आपातकालीन परिस्थिति में नागरिक इन विक्रेताओं से भी दवाइयां प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की परेशानी अथवा आपातकालीन स्थिति में खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के टोल फ्री नंबर 9340597097 पर संपर्क किया जा सकता है। वहीं दवाइयों की उपलब्धता संबंधी सहायता हेतु जिला दवा विक्रेता संघ बेमेतरा के अध्यक्ष दिनेश दुबे (94255-23689), सचिव नवीन अग्रवाल (9425513336) तथा कोषाध्यक्ष शरद शर्मा (9893024031) से भी संपर्क किया जा सकता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिला दवा विक्रेता संघ से शांतिपूर्ण एवं वैध तरीके से बंद का समर्थन करने की अपील की गई है।

कबीरधाम के जंगलों में 'मुंशी टैक्स' का साम्राज्य तेंदूपत्ता संग्राहकों का शोषण, वन विनाश पर प्रशासन मौन

कवर्धा। जिला जो अपने घने वन क्षेत्रों और आदिवासी बहुल अंचलों के लिए जाना जाता है, इन दिनों तेंदूपत्ता संग्रहण व्यवस्था में व्याप्त कथित अनियमितताओं को लेकर चर्चा में है। जिले के चिल्फी, रेंगाखार, तरेगांव, पंडरिया, बोड़ला और कुकदुर के वन क्षेत्रों से लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि प्राथमिक लघु वनोपज समितियों के अधीन संचालित तेंदूपत्ता खरीदी केंद्रों में संग्राहकों से खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है। जिले में हजारों आदिवासी और वनाश्रित परिवार तेंदूपत्ता संग्रहण पर निर्भर हैं। राज्य स्तर पर 13.76 लाख संग्राहक परिवार इस व्यवस्था से जुड़े हैं, जिनमें बड़ी संख्या कबीरधाम जिले की भी है। आरोप है कि फड़ मुंशी हर 100 गड्डी पर 4 से 5 गड्डी अतिरिक्त वसूल रहे हैं। स्थानीय संग्राहकों के अनुसार यदि यह तथाकथित मुंशी टैक्स नहीं दिया जाए, तो पत्ते को घटिया बताकर खरीदी से इनकार कर दिया जाता है। नियमों के अनुसार एक मानक बोरा 1000 गड्डी का होता है, लेकिन भुगतान 950 गड्डी के हिसाब से किया जा रहा है।

इसका सीधा नुकसान संग्राहक परिवारों को उठाना पड़ रहा है। यह व्यवस्था आर्थिक शोषण की श्रेणी में आती है और भारतीय सुधार संहिता की धोखाधड़ी संबंधी धाराओं के तहत जांच योग्य है।

ग्राम सभाओं की अनदेखी

कबीरधाम जिला अनुसूचित क्षेत्र में आता है, जहां पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) लागू है। इस अधिनियम के तहत ग्राम सभा को लघु वनोपज पर स्वामित्व और निगरानी का अधिकार प्राप्त है। इसके बावजूद ग्राम सभाओं को निर्णय प्रक्रिया से दूर रखा जा रहा है। समितियों को मिलने वाले फंड और आय-व्यय का ब्योरा सार्वजनिक रूप से ग्राम सभा में प्रस्तुत नहीं किया जाता। वन धन केंद्र, गोदाम निर्माण और अन्य आधारभूत संरचनाओं के लिए लाखों रुपये का प्रावधान होता है, लेकिन इन कार्यों में पारदर्शिता के अभाव की शिकायतें आम हैं। सामाजिक अंकेक्षण की प्र् या प्रभावी रूप से लागू नहीं होने से जवाबदेही कमजोर पड़ गई है।

वन अधिकार कानून की भावना पर चोट

अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (एफआरए) का उद्देश्य वनवासियों को उनके पारंपरिक अधिकार दिलाना है। तेंदूपत्ता जैसी लघु वनोपज पर उनका वैधानिक अधिकार सुनिश्चित करना इस कानून की मूल भावना है। लेकिन कबीरधाम जिले के वन क्षेत्रों में संग्राहकों के साथ हो रही कथित वसूली इस भावना के विपरीत है। यदि संग्राहकों को उनके संग्रहित पत्तों का पूरा मूल्य नहीं मिल रहा, तो यह उनके अधिकारों का हनन है।

तेंदू वृक्षों की अंधाधुंध कटाई

जिले के चिल्फी घाटी, रेंगाखार और कुकदुर क्षेत्र में तेंदू वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। नियमानुसार केवल झाड़ीनुमा छोटे पौधों से पत्ते तोड़ने की अनुमति है ताकि वृक्ष जीवित रहें और पुनर्जीवित हो सकें। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अधिक पत्ते और अधिक मजदूरी के लालच में 30-40 फीट ऊंचे वृक्षों को ही काट दिया जा रहा है। यदि यह तथ्य सही पाए जाते हैं तो यह भारतीय वन अधिनियम, 1927 और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 का गंभीर उल्लंघन है। वन विभाग के बीट गार्डों की मौजूदगी में पेड़ों की कटाई होने के आरोप प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े करते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी गति से कटाई जारी रही तो आने वाले वर्षों में तेंदू वृक्षों की संख्या में भारी गिरावट संभव है, जिसका सीधा असर जिले की जैव विविधता और आदिवासी आजीविका पर पड़ेगा।

जिला स्तर पर निगरानी तंत्र पर सवाल

कबीरधाम जिले में संचालित प्राथमिक लघु वनोपज समितियां राज्य स्तरीय लघु वनोपज संघ के अधीन कार्य करती हैं। जिला स्तर पर संबंधित अधिकारियों और प्रबंधकों की जिम्मेदारी है कि वे पारदर्शी और नियमसम्मत खरीदी सुनिश्चित करें। समाजसेवी संस्थाओं और जनजातीय समाज प्रमुखों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कर दोषी फड़ मुंशियों और लापरवाह वनकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही गड्डी प्रणाली समाप्त कर इलेक्ट्रॉनिक कांटे से किलो के आधार पर खरीदी करने की मांग उठाई गई है, ताकि गड्डी गिनती में होने वाली कथित हेराफेरी रोकी जा सके।

महालेखा परीक्षक से लेखा परीक्षण की मांग

जिले की समितियों के आय-व्यय का स्वतंत्र लेखा परीक्षण महालेखा परीक्षक (सीएजी) से कराने की मांग भी जोर पकड़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि वित्तीय ऑडिट और अनिवार्य सामाजिक अंकेक्षण से ही पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकती है। कबीरधाम जैसे आदिवासी बहुल जिले में तेंदूपत्ता केवल एक व्यापार नहीं, बल्कि आजीविका का मुख्य आधार है। यदि संग्राहकों का शोषण जारी रहा और जंगलों का क्षरण बढ़ता गया, तो इसका दूरगामी प्रभाव सामाजिक और पर्यावरणीय दोनों स्तर पर पड़ेगा।

सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती

एक ओर संग्राहकों को उनका वैधानिक हक दिलाना और दूसरी ओर तेंदू के जंगलों का संरक्षण करना। जिला प्रशासन की भूमिका इस पूरे प्रकरण में निर्णायक होगी। यदि समय रहते कठोर कार्रवाई, पारदर्शी व्यवस्था और सख्त निगरानी लागू नहीं की गई तो कबीरधाम का वन क्षेत्र आर्थिक शोषण और पर्यावरणीय संकट का केंद्र बन सकता है। अब प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही ही तय करेगी कि जिले के संग्राहकों को न्याय मिलता है या यह व्यवस्था यूं ही चलती रहती है।

बालोद में एफसीआई के खिलाफ फूटा राइस मिलर्स का गुस्सा, दूसरे जिलों के चावल स्टाक करने का विरोध

बालोद। जिले में एफसीआई की कार्यप्रणाली को लेकर राइस मिलर्स का आक्रोश अब आंदोलन में बदल गया है। एफसीआई गोदामों में दूसरे जिलों के चावल को स्टैक अलॉटमेंट दिए जाने के विरोध में बालोद जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन ने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। आंदोलन के तहत एफसीआई गोदामों में काम बंद करने का ऐलान किया गया है। साथ ही मिलर्स ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो कांकेर और बस्तर से आने वाले चावल के लॉट भी रोक दिए जाएंगे। झलमला-धमतरी मुख्य मार्ग स्थित ग्राम जगतरा के एफसीआई कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में राइस मिलर्स धरने पर बैठे हैं। भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद आंदोलनकारियों का उत्साह कम नहीं दिखा। प्रदर्शन स्थल पर जिलेभर के मिलर्स एकजुट होकर एफसीआई प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए।

राइस मिलर्स का आरोप है कि बालोद जिले का खुद का चावल अभी गोदामों में पर्याप्त मात्रा में जमा होना बाकी है, इसके बावजूद एफसीआई द्वारा कांकेर, धमतरी और बस्तर जिले के मिलर्स को प्राथमिकता देकर यहां स्टैक अलॉटमेंट दिया जा रहा है। इससे स्थानीय मिलर्स को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मांगों पर तत्काल निर्णय लिया जाए : विजय मिश्रा

जिला राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय मिश्रा ने कहा कि बालोद जिले के गोदामों में वर्षों से दूसरे जिलों का चावल जमा किया जा रहा है, जिसका लगातार विरोध किया जा रहा है। कई बार एफसीआई के डीएम और जीएम से चर्चा कर स्थानीय मिलर्स को प्राथमिकता देने की मांग रखी गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि चिटौद गोदाम का आधा हिस्सा धमतरी जिले को दिया गया है, जबकि वहां पहले से गोदाम उपलब्ध हैं और रेल हेड भी शुरू होने वाला है। ऐसे में बालोद जिले के गोदामों में बाहरी जिलों का चावल रखना पूरी तरह अनुचित है। विजय मिश्रा ने कहा कि लगभग 130 मिलर्स और कर्मचारी आंदोलन में शामिल हैं। प्रशासन से अपील है कि स्थिति को गंभीर होने से पहले मांगों पर तत्काल निर्णय लिया जाए। उन्होंने साफकहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

ठोस निर्णय नहीं लेने से मिलर्स में बढ़ती जा रही है नाराजगी

जिला राइस मिल एसोसिएशन के संरक्षक मोहन भाई पटेल ने कहा कि खरीफ वर्ष 2026-27 के लिए अरवा और उसना राइस मिलर्स का जितना डीओ कटा है, उसके अनुपात में चावल जमा करने के लिए जगतरा, कोटेरा और चिटौद डिपो में पर्याप्त जगह नहीं बची है। इसके बावजूद अन्य जिलों के चावल को यहां स्टोर किया जा रहा है, जिससे स्थानीय मिलर्स को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच भी मिलर्स जिस एकजुटता और उत्साह के साथ धरने पर बैठे हैं, उससे साफहै कि इस बार आंदोलन निर्णायक रूप ले सकता है। प्रदेश राइस मिल एसोसिएशन के सदस्य प्रियंक वैष्णव ने एफसीआई प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा कि जगतरा में बालोद जिले को साढ़े 10 हजार लॉट की टैगिंग दी गई है, जबकि पिछले वर्षों में जिले से 7 हजार लॉट से अधिक का मूवमेंट नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आखिर इतनी बड़ी टैगिंग किस आधार पर दी गई, इसका जवाब एफसीआई को देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एफसीआई अधिकारियों द्वारा बार-बार आश्वासन तो दिया जा रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे स्थानीय मिलर्स में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

किसी भी अधिकारी से संपर्क नहीं करेंगे, छत्तीसगढ़ से बाहर रहेंगे शर्त पर अनिल टुटेजा को मिली जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आरोपी रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि टुटेजा को 21 अप्रैल 2024 को गिरफ्तार किया गया था।वह तब से न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि इस मामले के अन्य सह-आरोपी पहले ही जमानत पर बाहर हैं।मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने टिप्पणी की कि टुटेजा के खिलाफ करीब 85 गवाहों से पूछताछ की जानी बाकी है और ट्रायल पूरा होने में लंबा समय लग सकता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोप गंभीर जरूर हैं, लेकिन उनकी सच्चाई ट्रायल के दौरान ही तय होगा। आरोपी को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई हैं। आदेश के अनुसार, अनिल टुटेजा जमानत पर रिहा होने के बाद राज्य से बाहर रहेंगे और किसी भी सेवारत सरकारी अधिकारी से संपर्क नहीं करेंगे। इसके अलावा, वह गवाहों को प्रभावित करने की कोई कोशिश नहीं करेंगे।ईडी के अनुसार, यह घोटाला 2019 से 2022 के बीच हुआ, जब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। ईडी का अनुमान है कि इस अवैध धंधे से करीब तीन हजार करोड़ रुपए की गैरकानूनी कमाई हुई, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान पहुंचा। ईडी के अनुसार, इस घोटाले की जांच में एक संगठित सिंडिकेट का पता चला, जिसमें नौकरशाह, राजनीतिक नेता और निजी कारोबारी शामिल थे। सिंडिकेट ने शराब की नीति को कमजोर करके अवैध तरीकों से पैसा कमाया। ईओडब्ल्यू/एसीबी के आरोप पत्रों के अनुसार, इस घोटाले के माध्यम से अर्जित अपराध की कुल धनराशि लगभग 2,883 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। ईडी ने अब तक पीएमएलए की धारा 19 के तहत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के तत्कालीन प्रबंध निदेशक, तत्कालीन आबकारी आयुक्त, तत्कालीन आबकारी मंत्री, तत्कालीन मुख्यमंत्री के पुत्र और मुख्यमंत्री के एक उप सचिव सहित अन्य लोग शामिल हैं।

चक्रवाती सिस्टम एक्टिव, छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिन बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। बंगाल की खाड़ी और विदर्भ क्षेत्र में सक्रिय चक्रवाती सिस्टम के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, तेज आंधी और गरज-चमक का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटों के दौरान रायपुर और बस्तर संभाग समेत कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रह सकता है। प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा रिकॉर्ड की गई। रायपुर में शनिवार को 62.8 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि बस्तर संभाग के कई इलाकों में भी झमाझम बारिश हुई। बारिश के चलते तापमान में गिरावट देखने को मिली और मौसम सुहावना बना रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बिलासपुर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं रायपुर में न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और तमिलनाडु के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके अलावा पश्चिम विदर्भ से मन्नार की खाड़ी तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जिसके कारण लगातार नमी प्रदेश तक पहुंच रही है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बादल, बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिल रहा है। राजधानी रायपुर में सोमवार को आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। रायपुर में अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और बिजली गिरने के समय खुले स्थानों से दूर रहने की अपील की है।

बीयर बोतल से सिर फोड़कर फरार हुआ आरोपी एमपी से गिरफ्तार

रायपुर। शराब दुकान के बाहर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी हमले में बदल गया, सिर पर बीयर बोतल से वार कर युवक को लहूलुहान करने वाला फरार आरोपी आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया और बिलासपुर की कोनी पुलिस ने उसे मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले से पकड़कर पूरे मामले का सनसनीखेज खुलासा कर दिया। मामला थाना कोनी क्षेत्र का है, जहां प्रार्थी महेंद्र सूर्यवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके भाई दीपक भार्गव के साथ पौंसरा निवासी शिवा सिंह ठाकुर और अर्जुन सिंह ठाकुर ने शराब दुकान के सामने हाथ-मुक्कों से मारपीट की और फिर बीयर की बोतल से हमला कर दिया। हमले में दीपक भार्गव के सिर पर गंभीर चोट आई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे।

आरंग के ग्राम सिवनी में जनसमस्या निवारण शिविर

पंचायत सिवनी में बहुत से आवेदनों का मौके पर हुआ निराकरण

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में आरंग विकासखंड के ग्राम पंचायत सिवनी में सुशासन तिहार 2026 के तहत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण का आयोजन किया गया। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस शिविर में आसपास के 20 गांवों से ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 1430 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से बहुत से आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सभी विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान कर उनके चेहरे पर खुशियां लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के कार्यों को गति दे रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार को लेकर प्रदेशभर में जनता के बीच विशेष उत्साह है और सरकार गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रही है। शिविर में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों की समस्याओं का मौके पर ही अधिकतम निराकरण किया जा सके तथा बाकी बचे आवेदनों का जल्द निराकरण किया जाए। कलेक्टर डॉ सिंह ने पेट्रोल एवं डीजल का मितव्ययिता पूर्ण उपयोग करने की सभी से अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि ईंधन की बचत न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने आमजन से

अनावश्यक वाहन उपयोग से बचने, साझा परिवहन को बढ़ावा देने तथा ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की बात कही। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनका मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। मनरेगा अंतर्गत 20 हितग्राहियों को जॉब कार्ड वितरित किए गए, वहीं 2 हितग्राहियों को मनरेगा चेक प्रदान किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 3 महिलाओं की गोद भराई, 3 बच्चों का अन्नप्राशन एवं 3 हितग्राहियों को स्वच्छता किट वितरित की गई। साथ ही 4 बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना एवं 2 बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाए गए।31 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 4 हितग्राहियों को गैस कनेक्शन वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 5 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। एनआरएलएम बिहान समूह की 3 महिलाओं को चेक वितरण किया गया तथा 3 महिलाओं को लखपति दीदी प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर में 2 हितग्राहियों की सफलता कहानियों को भी साझा किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। परिवहन विभाग ने 3 हितग्राहियों को लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए, जबकि राजस्व विभाग द्वारा 7 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका वितरित की गई। लोगों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम जनता के लिए राहत और विश्वास का माध्यम बन रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, उपाध्यक्ष संदीप यदु, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एसडीएम अभिलाषा पैकरा, आरंग जनपद सीईओ अभिषेक बैनर्जी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अबूझमाड़ के सोमरू राम का बरसों का इंतजार खत्म

■ सुशासन शिविर में एक ही दिन में बना आधार कार्ड सुशासन तिहार बना राहत का माध्यम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए चलाया जा रहा सुशासन तिहार 2026 अभियान दूरस्थ वनांचल के ग्रामीणों के लिए नई उम्मीद और खुशियां लेकर आ रहा है। इसकी एक बेहद सुखद तस्वीर नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से सामने आई है, जहाँ ग्राम पीडियाकोट निवासी सोमरू राम पोडियाम का बरसों से लंबित आधार कार्ड सुशासन शिविर की तत्परता से महज एक ही दिन में बनकर तैयार हो गया। पीडियाकोट जैसे अत्यंत दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले सोमरू राम आधार योजना की शुरुआत के बाद से ही अपना कार्ड बनवाने के लिए प्रयासरत थे। लेकिन भौगोलिक कठिनाइयों, संसाधनों की कमी और जरूरी सुविधाओं के अभाव के कारण उनका आधार कार्ड नहीं बन पा रहा था। पहचान का यह महत्वपूर्ण दस्तावेज न होने की वजह से उन्हें सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठाने में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित समाधान शिविर सोमरू राम के लिए वरदान साबित हुआ। शिविर में जैसे ही उनकी यह समस्या जिला प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष आई, अधिकारियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल एक्शन लिया। शिविर स्थल पर ही उनके दस्तावेजीकरण और बायोमेट्रिक की प्रक्रिया पूरी कर उनका आधार पंजीयन कराया गया। जो काम सालों से अटका था, वह प्रशासनिक मुस्तैदी से कुछ ही घंटों में पूरा हो गया। हाथ में अपना आधार कार्ड पाकर सोमरू राम के चेहरे पर वर्षों का इंतजार खत्म होने की खुशी साफ झलक रही थी।

कचरे को बनाया कंचन: ग्राम पंचायत धरसींवा की प्रेरक पहल

रायपुर। जिले के ग्राम पंचायत धरसींवा ने स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्राम पंचायत ने सामुदायिक सहभागिता, महिला सशक्तिकरण और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से न केवल गांव को स्वच्छ बनाया है, बल्कि कचरे से आय अर्जित कर आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल भी कायम की है। ब्लॉक धरसींवा स्थित ग्राम ने वर्ष 2016 में स्वयं को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर सम्मान प्राप्त किया था। वर्तमान में ग्राम पंचायत धरसींवा ओडीएफ स्थायित्व एवं ओडीएफ प्लस गतिविधियों के तहत निरंतर कार्य कर रही है। गांव में ? नम: शिवाय स्वच्छाग्रही दीदियों का समूह नियमित रूप से साफ-सफाई एवं ठोस-तरल अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य कर रहा है।

सुशासन तिहार

पीतांबर का सपना हुआ साकार मिला पक्के मकान की चाबी.....

■ प्रधानमंत्री आवास योजना से चार बच्चों के परिवार को मिला सुरक्षित आशियाना

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों के सपनों को साकार करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी निवासी श्री पीतांबर सिंह के लिए यह अभियान जीवन की बड़ी सौगात लेकर आया। जनसमस्या निवारण शिविर में उन्हें प्रधानमंत्री

आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित पक्के मकान की चाबी सौंपी गई। चाबी प्राप्त करते ही भावुक हुए श्री पीतांबर सिंह ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका अपना पक्का मकान होगा। अब उनके परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास मिल गया है, जिससे उनके बच्चों का भविष्य अधिक सुरक्षित हो सकेगा। श्री पीतांबर सिंह ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, जिससे रहने में काफी कठिनाई होती थी। उनके चार बच्चे हैं, जिनमें दो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। पक्का मकान बनने से अब बच्चों की पढ़ाई और परिवार के जीवनयापन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि सीमित आय के कारण स्वयं पक्का मकान बनाना संभव नहीं था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनका वर्षों पुराना सपना पूरा कर दिया। सुशासन तिहार के दौरान मकान की चाबी मिलने से उनकी खुशी और बढ़ गई।

पीएम आवास योजना से बदली श्रीमती विश्वासा बाई की जिंदगी

■ कच्चे घर की मुश्किलों से मिली राहत, अब पक्के मकान में सम्मानपूर्वक जीवन

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने कबीरधाम जिले की एक और जरूरतमंद महिला के जीवन में खुशियों की नई रोशनी भर दी है। ग्राम सेन्हाभाठा निवासी विश्वासा बाई, जो वर्षों तक जर्जर कच्चे मकान में परिवार सहित कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करने को मजबूर थीं, आज अपने पक्के और सुरक्षित घर में सम्मानपूर्वक जीवन जी रही हैं। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी अकेले संभाल रही विश्वासा बाई मजदूरी कर किसी तरह रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करती थीं। सीमित आय और संसाधनों की कमी के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल सपना बनकर रह गया था। बरसात में टपकती छत, दीवारों में सीलन और घर में भरता पानी हर साल उनके परिवार के लिए परेशानी और चिंता का कारण बनता था। गर्मी और सर्दी के मौसम में भी कच्चा मकान सुरक्षित नहीं था। विश्वासा बाई की इस समस्या का समाधान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से हुआ। आवास प्लस सर्वे में उनके दिवंगत पति का नाम दर्ज होने के बाद ग्राम सभा द्वारा पात्रता तय की गई और उत्तराधिकारी के रूप में विश्वासा बाई को वर्ष 2025-26 में आवास स्वीकृत किया गया। योजना के तहत प्रथम किश्त के रूप में 40 हजार रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी माध्यम से जारी की गई। ग्राम पंचायत और विभागीय अमले के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने पक्के मकान का निर्माण शुरू किया। निर्माण कार्य आगे बढ़ने पर उन्हें दूसरी किश्त 55 हजार रुपए तथा अंतिम किश्त 25 हजार रुपए की राशि भी प्राप्त हुई, जिससे उनका आवास पूर्ण होकर तैयार हो गया। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ-साथ विश्वासा बाई के परिवार को अन्य शासकीय योजनाओं का भी लाभ मिला है। मनरेगा के तहत आवास निर्माण में 90 दिनों का रोजगार एवं 23 हजार 490 रुपए की मजदूरी राशि दी गई।

अब होटल में ठहरते ही पुलिस तक पहुंचेगी हर मेहमान की जानकारी

रायपुर। होटल, लॉज और फार्महाउस अब सिर्फ ठहरने की जगह नहीं रहेंगे। बिलासपुर पुलिस ने सुरक्षा का डिजिटल शिकंजा कसते हुए साफ कर दिया है कि अब हर मेहमान की एंट्री सीधे पुलिस रिकॉर्ड तक पहुंचेगी, ताकि अपराधियों, संदिग्धों और फरार बदमाशों पर तुरंत नजर रखी जा सके। बिलासपुर पुलिस ने कानून व्यवस्था को हाईटेक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए करीब 110 होटल, लॉज और फार्महाउस संचालकों की अहम बैठक आयोजित की। डीआईजी एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह के नेतृत्व और निर्देशन में हुई इस बैठक में एडिशनल एसपी शहर श्री पंकज पटेल, सीएसपी सिविल लाइन श्री निमितेश परिहार और एसडीओपी कोटा श्रीमती नूपुर उपाध्याय ने होटल संचालकों को समाधान ऐप की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने साफ शब्दों में बताया कि अब होटल में ठहरने वाले हर व्यक्ति की जानकारी डिजिटल तरीके से सीधे पुलिस विभाग तक पहुंचाई जाएगी, जिससे संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल निगरानी रखी जा सकेगी और अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी। बैठक में होटल संचालकों को समाधान ऐप डाउनलोड करने, पंजीयन प्रक्रिया पूरी करने और उसके उपयोग की पूरी विधि समझाई गई।

सिम्स के स्त्रीरोग विभाग में दुर्लभ एवं अत्यंत जटिल सर्जरी सफल

■ 27 सप्ताह के गर्भ के बराबर विशाल गांठ निकाल मरीज को मिला नया जीवन

रायपुर/ संवाददाता

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सिम्स अस्पताल बिलासपुर के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में चिकित्सकों की टीम ने एक अत्यंत दुर्लभ, जटिल एवं जोखिमपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर मरीज को नया जीवन प्रदान किया है। यह उपलब्धि सिम्स अस्पताल में उपलब्ध विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं एवं चिकित्सकों की दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, दुजी बाई (45 वर्ष) को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल जीपीएम से सिम्स अस्पताल रेफर किया गया था। मरीज पिछले लगभग दो वर्षों से लगातार पेट दर्द, अत्यधिक रक्तस्राव, कमजोरी एवं शारीरिक असहजता की समस्या से पीड़ित थीं। प्रारंभिक जांच एवं अंदरूनी परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने पाया कि गर्भाशय के मुंह में लगभग 15म14 सेंटीमीटर आकार का विशाल सर्वाइकल फाइब्रॉइड पॉलीप विकसित हो चुका था। चिकित्सकों के अनुसार यह गांठ अत्यधिक संक्रमित थी तथा आकार में लगभग 27 सप्ताह के गर्भ के बराबर हो चुकी थी। गांठ दो भागों में विभाजित होकर पेट के निचले हिस्से, पेशाब की नली एवं किडनी पर लगातार दबाव बना रही थी, जिससे मरीज की स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही थी। संक्रमण और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण यह मामला चिकित्सकीय दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण एवं जानलेवा स्थिति में पहुंच चुका था। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉ. संगीता रमन जोगी के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गठित की गई। कई घंटों तक चली इस जटिल एवं उच्च जोखिम वाली सर्जरी को स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता रमन जोगी, सह प्राध्यापक डॉ. दीपिका सिंह, डॉ. रचना जैन, डॉ. सोमा वेंकट एवं वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. आकृति यादव ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। सर्जरी के दौरान गांठ को दो अलग-अलग हिस्सों में अत्यंत सावधानीपूर्वक निकाला गया। ऑपरेशन के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव एवं संक्रमण का लगातार खतरा बना हुआ था, वहीं पेशाब की नली एवं आसपास के महत्वपूर्ण अंगों को सुरक्षित रखना भी चिकित्सकों के लिए बड़ी चुनौती थी। बावजूद इसके डॉक्टरों की टीम ने कुशलता, अनुभव एवं धैर्य का परिचय देते हुए ऑपरेशन को सफल बनाया और मरीज की जान बचाई। इस जटिल सर्जरी में बेहोशी विभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभागाध्यक्ष डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. श्वेता एवं डॉ. मिल्टन ने पूरी सर्जरी के दौरान मरीज की स्थिति को नियंत्रित रखते हुए महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

सुशासन तिहार 2026

गांव-गांव पहुंच रहा प्रशासन,शिविरों में सैकड़ों ग्रामीणों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

■ कुसमी और कामेश्वरनगर शिविरों में प्राप्त हुए 338 आवेदन, स्वास्थ्य जांच और सामग्री वितरण से हितग्राही लाभान्वित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आम जनता की समस्याओं का निराकरण कर रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखंड कुसमी एवं रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कामेश्वरनगर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। विकासखंड कुसमी में आयोजित शिविर में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस शिविर में चरहटकला, सामरी, अमटाही, राजेन्द्रपुर, दात्रम, इदरीपाट, बेतपानी, टाटीझरिया, गोपातु, लक्ष्मणपुर, सेरंगदाग एवं जमीरापाट सहित 12 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण लाभान्वित हुए। वहीं रामचन्द्रपुर विकासखंड के कामेश्वरनगर शिविर में त्रिशुली, पचावल, डूगरू, सनावल, इन्द्रावतीपुर, सुन्दरपुर, मिनवाखड़, आनन्दपुर, बरवाही, दोलंगी, औरंग, शिलाजु एवं उचुरवा सहित 13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन लगातार गांवों तक पहुंच रहा है। शिविरों के माध्यम से आमजन को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है, जिनका प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जा रहा है। कुसमी शिविर में कुल 210 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 201 मांग एवं 9 शिकायत से संबंधित थे।

संपादकीय

हिमाचल के युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय

हिमाचल सरकार ने एक जून से शिक्षा संस्थानों में चिट्टा के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करने का फैसला भी किया है। मगर यह तभी सार्थक होगा, जब अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। शांतिप्रिय राज्य की छवि वाले हिमाचल प्रदेश में अब युवाओं के बीच नशे की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। नशीले पदार्थों का जाल न केवल शहरी, बल्कि ग्रामीण इलाकों तक फैल गया है। एक खास तरह का नशीला पदार्थ, जिसे स्थानीय भाषा में चिट्टा कहा जाता है, उसकी लत युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही है।दरअसल, जम्मू और पंजाब की सीमाओं से सटे होने के कारण हिमाचल में नशीले पदार्थों की तस्करी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। जांच एजेंसियों के तमाम दावों के बावजूद नशे के इस तंत्र पर रोक नहीं लग पा रही है। अब प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए सरकारी नौकरी के लिए युवाओं का 'एंटी चिट्टा टेस्ट' अनिवार्य कर दिया है। साथ ही मेडिकल और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों की भी हर वर्ष ऐसी ही जांच कराई जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि सरकार के इस कदम से युवाओं को नशे से दूर रखने में कुछ हद तक मदद मिल सकती है।हिमाचल सरकार ने एक जून से शिक्षा संस्थानों में चिट्टा के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करने का फैसला भी किया है। मगर यह तभी सार्थक होगा, जब अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खेती और घरेलू कार्यों की व्यस्तता की वजह से माता-पिता अपने बच्चों पर ज्यादा नहीं दे पाते हैं और उन्हें नशीले पदार्थों की तस्करी की भी कम ही जानकारी होती है।ऐसे में किशोरों और युवाओं के साथ-साथ अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत है, ताकि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रख सकें और उन्हें नशे के दलदल में उतरने से रोक सकें। इसके अलावा राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ अभियान से जुड़ने वाले अधिकारियों की वार्षिक रपट में भी इस कार्य का उल्लेख करने की बात कही है। यह वास्तव में एक व्यावहारिक पहल है।इसमें दोराय नहीं कि राज्य सरकार सतही उपायों के बजाय धरातल पर काम करने का प्रयास कर रही है, लेकिन उसे राज्य में शिक्षित युवाओं को रोजगार देने की दिशा में भी व्यापक स्तर पर कदम उठाने होंगे, क्योंकि नशे का सेवन करने वालों में छात्रों और बेरोजगार युवाओं की तादाद अधिक है।

ममता का किला ढहाने के लिए भाजपा की बंगाल विजय में अहम रही संघ की भूमिका

(श्यामलाल यादव)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जो प्रचंड जीत मिली है, उसमें बीजेपी संगठन के अलावा आरएसएस की भूमिका काफी अहम रही है। आरएसएस के कार्यकर्ताओं और प्रचारकों का कहना है कि टीएमसी के शासन में उन्हें काम करने में सबसे ज्यादा दिक्कतें आई थीं। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की अभूतपूर्व जीत में वैसे तो कई कारक रहे हैं, लेकिन एक अहम बिंदु आरएसएस का है। बीजेपी के लिए आरएसएस ने पिछले एक दशक में शांत तरीके से जमीन पर उतरकर काम किया। संगठन में विस्तार की पुरजोर कोशिशें कीं। उसी का नतीजा है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सत्ता तक पहुंच गई। बीजेपी ने बंगाल के इस बार के विधानसभा चुनाव में हिंदुत्व का मुद्दा मुखरता के साथ उठाया था लेकिन ऐसा नहीं है, कि ये बीजेपी के लिए कोई नया मुद्दा नहीं बल्कि यहां हिंदू पहचान की राजनीति का इतिहास एक सदी पुराना है। इसके बावजूद आरएसएस और बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन यानी जनसंघ बंगाल में अपनी जड़े जमाने में कामयाब नहीं हो पाया।

बंगाल में लंबा रहा है बीजेपी का संघर्ष – साल 1951 के बंगाल चुनाव में भारतीय जनसंघ ने 9 विधानसभा सीटें जीती थीं, और 12.57 वोट प्रतिशत का वोट भी हासिल किया था लेकिन उसके बाद यहां से जनसंघ का नामोनिशान मिटता चला गया। इसके बाद जनसंघ का स्वरूप बदला और वो भारतीय जनता पार्टी बन गई। यह लंबा सूखा 2014 में तब समाप्त हुआ, जब बीजेपी ने उपचुनाव में अपनी पहली विधानसभा सीट जीती। बीजेपी ने साल 2016 में 3, 2021 में 77 सीटें जीती थीं। वह मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई थी। इस बार के चुनाव में 207 सीटों के साथ प्रचंड जीत के साथ सरकार बना ली। वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारियों ने बताया कि चुनावी लिहाज से निर्णायक मोड़ 2021 के विधानसभा चुनाव में आयास क्योंकि आरएसएस को यह समझ आ गया था कि अब ममता बनर्जी के खिलाफ चुनावी लड़ाई जीती जा सकती है। पिछले दो वर्षों में संघ ने भाजपा के जमीनी स्तर के तंत्र में मौजूद कमियों को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से 2,000 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को जुटाया था।

संघ ने जमीन पर उतारे थे कार्यकर्ता – ये कार्यकर्ता संघ और पार्टी के कैडर से लिए गए थे। इन कार्यकर्ताओं के सभी खर्चों का वहन पार्टी द्वारा किया गया था और उन्हें एक ही लक्ष्य दिया गया था। जमीन स्तर पर गांवों, बस्तियों विशिष्ट समुदायों के बीच काम करने के लिए आरएसएस ने पूरी ताकत झोंकी थी। संघ की भूमिका बीजेपी की राजनीतिक सफलता का मार्ग प्रशस्त करने वाली सामाजिक और मनोवैज्ञानिक परिस्थितियाँ बनाने की थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को बंगाल में काफी बड़ा झटका लगा था। इसका काफी हद तक कारण ये माना गया था, कि संघ और बीजेपी के बीच किसी भी तरह का समन्वय स्थापित न हो पाना था।। तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा ने द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक साक्षात्कार में यह संकेत दिया था कि पार्टी को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। उनके इस बयान के बाद आरएसएस ने कथित तौर पर अपनी सक्रियता जमीन पर काफी कम कर दी थी।

इस बार के चुनाव में बेहतर था समन्वय – आरएसएस की मध्य बंगाल इकाई के एक पदाधिकारी ने इस बार के चुनाव को लेकर कहा, लगातार समन्वय बना रहा। बीजेपी कार्यकर्ता राजनीतिक लड़ाई में सबसे आगे थे, हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को निडर होकर मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे थे। बता दें कि राज्य में आरएसएस की संगठनात्मक संरचना उत्तर, मध्य और दक्षिण बंगाल के तीन क्षेत्रों में विभाजित है।

राज्य के बाहर से आए 2,000 कार्यकर्ता बारी-बारी से काम करते थे जिनकी न्यूनतम तैनाती तीन महीने की होती थी। 150 से अधिक वरिष्ठ नेता, अन्य राज्यों के विधायक और चुनाव प्रबंधन के अनुभवी लोग भी लगभग दो वर्षों तक राज्य में डेरा डाले रहे। इन नेताओं ने विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी के रूप में कार्य किया और उनकी भूमिका पारंपरिक चुनाव प्रचार से कहीं अधिक व्यापक थी।

भय के बीच कार्यकर्ताओं ने किया काम – एक बीजेपी नेता ने कहा, कई जगहों पर तो हमारे आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ता भी डरे हुए थे और कई जगहों पर उन्होंने शिकायत की कि टीएमसी के लोगों ने उन्हें धमकाया है। डर के मारे हमारे कुछ कार्यकर्ताओं ने काम करना भी बंद कर दिया, लेकिन हमने उन्हें समझाया कि चिंता न करें। हमने उन्हें टीएमसी कार्यकर्ताओं से झड़पों से बचने और घर-घर जाकर संपर्क साधने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। जाति, समुदाय, महिला और छात्र समूहों के साथ-साथ शिक्षक और पेशेवर नेटवर्क में तैनात इन कार्यकर्ताओं ने 15-20 लोगों की अनेकों

सभाएं कीं। इनमेंमें बंगाली गौरव, महिलाओं की सुरक्षा, बेरोजगारी और आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार और हत्या मामले और सांप्रदायिक विभाजन जैसे भावनात्मक मुद्दों पर सावधानीपूर्वक तैयार किए गए चर्चा बिंदु शामिल थे।

सुनील बंसल का डेटा मैनेंजमेंट – जमीनी स्तर की ताकत के अलावा, बीजेपी-आरएसएस ने ऐसी नियुक्तियां भी कीं, जिनसे अंततः अच्छे परिणाम मिले। 2016 के चुनावों में भूपेंद्र यादव और कैलाश विजयवर्गीय की जोड़ी सत्ता में थी। 2021 तक पार्टी ने अपने संयुक्त महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश और राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन को तैनात कर दिया था। शिव प्रकाश ने आरएसएस की तर्ज पर लगभग पांच साल जमीनी स्तर पर काम किया। बंगाल के प्रभारी वर्तमान भाजपा महासचिव सुनील बंसल ने अपने पूर्ववर्तियों द्वारा स्थापित मॉडल को और बारीकी से लागू किया। उत्तर प्रदेश के एक नेता ने बंगाल चुनाव में 6 महीने बिताए थे। उन्होंने बताया कि सुनील बंसल और पार्टी द्वारा इस चुनाव में डेटा-आधारित सटीकता के साथ किए गए कार्य की सराहना की।

उन्होंने कहा, डेटा के मामले में रिसर्च इतनी गहरी थी कि अन्य राज्यों से नियुक्त किए गए 294 विधानसभा क्षेत्रों के सभी प्रभारियों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित 20-25 पृष्ठों की एक फ़ोल्डर दी गई थी। इसमें स्थानीय मुद्दे, पिछले कुछ चुनावों का मतदान पैटर्न, क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता, विभिन्न दलों के प्रमुख पदाधिकारियों के विवरण और संपर्क, साथ ही उनकी कमजोरियां और ताकतें जैसी जानकारियां भी शामिल थीं।

2016 से डेटा तैयार कर रही थी टीम – पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर बीजेपी संगठन के नेताओं ने जिस डेटा का इस्तेमाल किया था। वह 20216 से बीजेपी के लिए काम करने वाली राजनीतिक रणनीति बनाने वाली एक कंपनी ने जुटाया था। कंपनी के डेटा को देख स्थानीय स्तर के नेता भी काफी चौंक गए थे। उत्तर प्रदेश के एक नेता ने कहा, हम विधानसभा क्षेत्रों में सभी आवश्यक आंकड़ों से लैस थे। स्थानीय नेता और कार्यकर्ता अक्सर जमीनी स्तर की जानकारी और अन्य दलों के नेताओं के बारे में हमारे ज्ञान और समझ से आश्चर्यचकित रह जाते थे। सूची में यह भी शामिल था कि हमारे क्षेत्र में टीएमसी के कौन से नेता अप्रत्यक्ष रूप से हमारे लिए काम कर सकते हैं और उनसे संपर्क किया जा सकता है।

टीएमसी ने भी दिया मौका – संघ के नेताओं ने कहा कि टीएमसी की वजह से आरएसएस और बीजेपी का विकास हो सकता है। चुनाव के दौरान राज्य भर में तैनात रहे कोलकाता के संघ एक वरिष्ठ प्रचारक ने कहा, अगर टीएमसी सरकार नहीं होती, तो पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत संभव नहीं होती। राज्य में हमारा काम टीएमसी के उदय और मजबूती के साथ बढ़ा और ममता बनर्जी के नेतृत्व में उनकी मुस्लिम तुष्टीकरण नीतियों के कारण राज्य में सांप्रदायिक विभाजन और भी गहरा गया। 2011 से पहले हमारे पास बहुत कम बंगाली प्रचारक थे। ये वैसी ही स्थिति थी, जैसी पंजाब में बीजेपी की है, जहां उसके पास बेहद कम प्रचारक थे। अब हमारे पास बंगाली प्रचारकों की एक लंबी सूची है, जिनमें न केवल पश्चिम बंगाल मूल के लोग हैं, बल्कि बांग्ला भाषी लोग भी शामिल हैं। एक अन्य आरएसएस पदाधिकारी ने कहा, वामपंथी शासन के दौरान सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण करना मुश्किल था। टीएमसी के शासनकाल में यह बहुत आसान हो गया। टीएमसी के शासनकाल में संघ के विस्तार की ओर इशारा करते हुए अंदरूनी सूत्रों ने दावा किया कि राज्य भर में आरएसएस की 1,500 से अधिक दैनिक शाखाएं संचालित होती थीं। अगर यदि साप्ताहिक और मासिक सभाओं का जिक्र करें तो ये संख्या और ज्यादा प्रभावशाली भी नजर आएगी।

किसी राज्य में आरएसएस को नहीं हुई बंगाल जैसी दिक्कतें – आरएसएस नेता ने कहा, समय बीतने के साथ हमने महसूस किया कि बंगाली हिंदुओं के बीच टीएमसी और उसके नेतृत्व के प्रति एक प्रकार की नफरत बढ़ रही थी। हमने पाया कि जिन महिलाओं से हम संपर्क कर रहे थे, उनमें से बड़ी संख्या में महिलाएं ममता बनर्जी के खिलाफ हो गई थीं। आरएसएस के नेताओं ने कहा कि शाखाएं आयोजित करना संघ के लिए काफी मुश्किल हो गया था। इसको लेकर एक पदाधिकारी ने कहा कि शायद और कोई राज्य ऐसा नहीं था, जहां हमारे लिए संघ की शाखा का आयोजन करना काफी मुश्किल था।

परिस्थितियां नहीं, दृष्टिकोण जीवन का निर्माता

(शिशिर शुक्ला)

दृष्टिकोण केवल विचारों का संग्रह ही नहीं है, बल्कि यह हमारे अनुभवों, संस्कारों, शिक्षा और जीवन दृष्टि का समन्वित परिणाम होता है। यह वह नींव है, जिस पर हम अपने निर्णयों, कर्मों एवं भविष्य की इमारत खड़ी करते हैं।

जीवन सतत रूप से गतिशील है। गतिशीलता की इस यात्रा में यह भांति-भांति के रूप धारण करता है। जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण ही हमारे अंतर्मन और जीवन के प्रतिबिंब को निर्धारित करता है। संसार में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के दौरान लगभग समान परिस्थितियों का सामना करता है। ये परिस्थितियां हैं- सफलता, विफलता, सुख-दुख, आपदा संघर्ष और अवसर। मगर इन परिस्थितियों के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिक्रिया भिन्न होती है। यह भिन्नता दरअसल उनके दृष्टिकोण के अंतर से उत्पन्न होती है।

दृष्टिकोण वह मानसिक आईना है, जिसके द्वारा निर्मित प्रतिबिंब के माध्यम से ही हम संसार को देखते और समझते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मनुष्य के जीवन का स्वरूप परिस्थितियों की अपेक्षा दृष्टिकोण से अधिक प्रभावित होता है।

दृष्टिकोण केवल विचारों का संग्रह ही नहीं है, बल्कि यह हमारे अनुभवों, संस्कारों, शिक्षा और जीवन दृष्टि का समन्वित परिणाम होता है। यह वह नींव है, जिस पर हम अपने निर्णयों, कर्मों एवं भविष्य की इमारत खड़ी करते हैं। सकारात्मक, व्यापक और उदार नजरिए से युक्त व्यक्ति कठिन व विषम परिस्थितियों में भी अनुकूल अवसर तलाश लेता है। इसके विपरीत अगर दृष्टिकोण संकीर्ण, नकारात्मक और निराशावादी है, तो ऐसा व्यक्ति अनुकूल परिस्थितियों में भी असंतोष और विफलता से ही घिरा रहता है।

पानी से आधे भरे हुए बर्तन को दो रूप में देखा जा सकता है

एक सरल से उदाहरण की सहायता से जीवन में दृष्टिकोण की महत्ता को समझा जा सकता है। पानी से आधे भरे हुए बर्तन को दो रूप में देखा जा सकता है- सकारात्मक नजरिए से आधा भरा एवं नकारात्मक नजरिए से आधा खाली। यही अंतर जीवन के हर क्षेत्र और हर पहलू में दिखता है। दृष्टिकोण ही व्यक्ति की सफलता और विफलता का प्रमुख निर्धारक होता है। जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति आशावादी और दृढ़ दृष्टिकोण रखता है, वह कठिनाइयों से लेशमात्र भी विचलित नहीं होता, बल्कि उन्हें सीखने तथा स्वयं को निखारने का अवसर मानकर आगे बढ़ता रहता है।

आज के समय में जीवन की गति अत्यंत द्रुत हो गई है और हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। ऐसे में दृष्टिकोण की महत्ता और भी अधिक बढ़ जाती है। आधुनिक जीवन में तनाव, असंतोष और अवसाद जैसी समस्याएं अनियंत्रित रूप से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं का प्रमुख कारण यह है कि हम जीवन की घटनाओं को देखने का संतुलित और सकारात्मक नजरिया अपने भीतर विकसित नहीं कर पा रहे हैं।

वास्तव में जीवन में आने वाली अधिकांश समस्याएं उतनी बड़ी और जटिल नहीं होतीं, जितना कि हम उन्हें अपने दृष्टिकोण के कारण बना लेते हैं। अगर हम उन्हें आत्मपरिष्कार और आत्मविकास के अवसर के रूप में स्वीकार करें, तो वही समस्याएं हमारे व्यक्तित्व को परिमार्जित करने का माध्यम बन सकती हैं। दृष्टिकोण का संबंध केवल आशावाद से ही नहीं है, बल्कि विवेक और संतुलन भी इसे निर्धारित करने में महती भूमिका निभाते हैं।

सकारात्मक दृष्टिकोण का अर्थ यह नहीं है कि हम वास्तविकता से आंखें मूंद लें। इसका अर्थ यह है कि हम परिस्थितियों को समझदारी, बुद्धिमत्ता और धैर्य की कसौटी पर कसने के बाद स्वीकार करें और उनमें सुधार या उनके प्रति प्रतिक्रिया की संभावनाएं तलाशें। आज यह नितांत आवश्यक हो चला है कि हम आलोचनात्मक और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करें, ताकि सत्य और भ्रम के बीच सुस्पष्ट अंतर कर सकें। बिना सोचे समझे किसी भी विचार को स्वीकार कर लेना हमारे दृष्टिकोण को संकीर्ण और असंतुलित बना सकता है।

अगर हमारा दृष्टिकोण उदार और सहानुभूतिपूर्ण है, तो हम दूसरों की भावनाओं और परिस्थितियों को समझने में सक्षम होते हैं। इसके विपरीत अगर हमारा दृष्टिकोण अहंकारपूर्ण और संकीर्ण है, तो वह हमारे संबंधों में दूरी और तनाव उत्पन्न कर सकता है। विविधताओं से भरे समाज में यदि लोग एक-दूसरे के प्रति सम्मान और समझ का दृष्टिकोण रखें, तो बड़े से बड़े मतभेद भी समुचित संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं, लेकिन अगर दृष्टिकोण कट्टरता और असहिष्णुता से भरा हो, तो वही मतभेद संघर्ष का रूप ले लेते हैं।

पीएम मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

(ललित गर्ग)

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है।

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय मिशन संचालक ने किया ईरकभट्टी एवं बेचा की पेयजल व्यवस्थाओं का निरीक्षण

अबूझमाड़ के गांवों में उत्साहपूर्वक मनाया गया जल अर्पण कार्यक्रम एवं जल बंधन कार्यक्रम

नारायणपुर। जिले के ओरछा विकासखंड अंतर्गत अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम ईरकभट्टी एवं बेचा में जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजनाओं का भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय मिशन संचालक, जल शक्ति मंत्रालय नई दिल्ली कमल किशोर सोन तथा एरिया ऑफिसर उमेश भारद्वाज द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान दोनों ग्रामों में उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ 'जल अर्पण कार्यक्रम' एवं 'जल बंधन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान ईरकभट्टी पहुंचने पर अधिकारियों का गोटूल परिसर में पारंपरिक ढंग से ढोल-मांदरी से आत्मीय स्वागत किया गया। आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों ने स्वागत गीत, कविता, गिनती सुनाकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को देखकर अधिकारी अत्यंत प्रसन्न हुए। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर पेयजल आपूर्ति, जल की गुणवत्ता, नियमित वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन के माध्यम से अब गांव में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे उनकी दैनिक समस्याओं में काफी राहत मिली है। ग्रामीणों ने योजना के सुचारू संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया। कलेक्टर नम्रता जैन ने जानकारी दी कि ईरकभट्टी में कुल 55 घर हैं तथा ग्राम को 'हर घर जल ग्राम' घोषित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पूर्व में ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब जल जीवन मिशन के माध्यम से प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है। इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय मिशन संचालक के.के. सोन ने ईरकभट्टी की पूसे गोटा के घर पहुंचकर क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन का भौतिक निरीक्षण किया तथा जल प्रदाय व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामवासियों एवं हितग्राहियों से चर्चा कर योजना से मिल रहे लाभों और उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी प्राप्त की। कच्चापाल ग्राम पंचायत की सरपंच रजमा नुरेटी ने अधिकारियों को योजना के संचालन एवं संधारण की जानकारी दी। उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण, नियमित वॉटर टेस्टिंग तथा पेयजल व्यवस्था के रखरखाव से संबंधित गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। इसके पश्चात निरीक्षण दल ग्राम बेचा पहुंचा, जहां जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित पेयजल व्यवस्था का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर पेयजल आपूर्ति, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान ग्राम में उत्साहपूर्वक 'जल अर्पण कार्यक्रम' का आयोजन भी किया गया। राष्ट्रीय मिशन संचालक के.के. सोन ने ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि स्वच्छ जल स्वस्थ जीवन का आधार है। पानी को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए और आवश्यकता अनुसार ही उसका उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से जलजनित बीमारियों में कमी आएगी तथा लोगों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। बेचा में 'जल वाहिनी' महिला समूहों द्वारा किए जा रहे जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया का भी अधिकारियों ने अवलोकन किया और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी एवं कार्यप्रणाली की सराहना की। ग्रामीण महिलाओं द्वारा तकनीकी रूप से जल परीक्षण किए जाने को उन्होंने आत्मनिर्भरता और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। ग्राम बेचा में मुरनार सरपंच रजनी नेताम एवं ग्रामीणों द्वारा अतिथियों के स्वागत के लिए पारंपरिक व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों ने मड़िया पेज सहित स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया और अबूझमाड़ की समृद्ध संस्कृति, आत्मीयता एवं पारंपरिक खानपान की सराहना की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मिशन संचालक ओंकेश चंद्रवंशी, मुख्य अभियंता जे.एल. लखेला, अधीक्षण अभियंता राजेंद्र कुमार शुक्ला, पीएचई कार्यपालन अभियंता एस.के. वर्मा, ओरछा जनपद सीईओ लोकेश चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

25 मई से शुरू होगा नौतपा 2 जून तक रहेगी भीषण गर्मी

कोंडागांव जिला प्रशासन ने दी आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह

कोण्डागांव। प्रदेश में इस वर्ष नौतपा की शुरुआत 25 मई से होगी। ज्योतिष और पंचांग के अनुसार, जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तभी नौतपा प्रारंभ माना जाता है। यह अवधि 25 मई से 2 जून तक रहेगी। इन 9 दिनों के दौरान सूर्य की किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ती हैं, जिससे छत्तीसगढ़ समेत पूरे क्षेत्र में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप देखने को मिलता है। परंपरागत मान्यता के अनुसार, नौतपा जितना अधिक तपता है, मानसून उतना ही बेहतर होता है, जिससे अच्छी बारिश की संभावना बढ़ती है। जिला प्रशासन कोंडागांव एवं स्वास्थ्य विभाग ने इस दौरान लोगों को धूप और लू से बचने, पर्याप्त पानी पीने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

युवा कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया टीएस बाबा का भव्य स्वागत

भानुप्रतापपुर। प्रदेश के कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री टीएस सिंह देव के भानुप्रतापपुर आगमन पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं एवं जोरदार नारेबाजी के साथ उनका आत्मीय अभिनंदन किया। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव पंकज राज वाघवानी के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यकर्ताओं ने टीएस बाबा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा कांग्रेस पार्टी के समर्थन में जमकर नारे लगाए। अपने संबोधन में टीएस बाबा ने कहा कि युवा कांग्रेस संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही जनता की आवाज को मजबूती मिलती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करने एवं संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कृष्णा टेकाम, चेतन मरकाम, सुरेश पंजवानी, विधानसभा अध्यक्ष आकाश यदु, विवेक पांडे, जगजीत नागेश, निलेश कटझरे, प्रसुन पटेल, वेद देवांगन, नवनीत ठाकुर, शुभम ठाकुर, मोहित पटेल, प्रकाश नरेटी, अजय पंजवानी, संदीप सिन्हा, बादल मंडावी, संदीप हिड़ामी, अजय कोराम, प्रमेश शोरी, तामेश, तुलाराम, अश्विनी यादव, योगेश यादव, पुनित, गोलु डड़सेना, गणेश चंद्रोल, आकाश वर्मा, संजय चंद्रोल, खिलेश मंडावी, हरेश गावड़े, तरूण चालकी, नरेश गावड़े, टिकेश नुरेटी, छब्बी कोरेटी, कामेश, सुबरत दास सहित सैकड़ों युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव पंकज राज वाघवानी ने कहा कि टीएस बाबा के आगमन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में युवा कांग्रेस आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगी।

पेट्रोल-डीजल संकट और महंगाई के खिलाफ कोरर में कांग्रेस का हल्लाबोल

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंप के सामने किया प्रदर्शन, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

भानुप्रतापपुर। पेट्रोल-डीजल की किल्लत और लगातार बढ़ती महंगाई के विरोध में कोरर में कांग्रेस कमेटी एवं युवा कांग्रेस द्वारा जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। स्थानीय पेट्रोल पंप के सामने आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल संकट, महंगाई और आम जनता को हो रही परेशानियों को लेकर सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। जिला महामंत्री हेमन्त कुमार ध्रुव एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील बबला पाढ़ी, ने कहा कि सरकार एक ओर पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के कई पेट्रोल पंपों में ईंधन की भारी कमी देखने को मिल रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद से लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है, जिससे आम जनता की कमर टूट चुकी है। खाद्य सामग्री, गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों ने लोगों का जीवन प्रभावित कर दिया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार जनता की मूल समस्याओं से ध्यान भटकाने का काम कर रही है, जबकि आम आदमी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पेट्रोल-डीजल संकट का समाधान नहीं किया गया और महंगाई पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार से तत्काल ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की। धरना-प्रदर्शन में हेमन्त ध्रुव जिला महामंत्री, बबला पाढ़ी अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस भानुप्रतापपुर, गणेश सोनी, रमेश पाण्डेय उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, शोएब अहमद महामंत्री ब्लाक कांग्रेस कमेटी भानुप्रतापपुर, शिवा शुक्ला, सुना राम तेता अध्यक्ष जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर, सौरभ ठाकुर, बृज मड़ावी अध्यक्ष मण्डल कांग्रेस कोरर, सुन्हेर गजेंद्र, अशोक गुप्ता, दरिया कोरेटी, बिरझु नेताम, बीरेंद्र कोरेटी,समरेश सोरी, उमाशंकर टेमुन्ना, रामलाल दर्रो, सुरेश राजपूत, पुखराज कोसमा,लीलराम हिड़को, झगरू धनकर,अनुराग शर्मा, आयुष शर्मा, कुणाल टेकाम एवं बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

बंदियों के परिजनों को मुलाकाती हेतु उप जेल नारायणपुर में विधिक सहायता हेल्प डेस्क की स्थापना की गई

कोण्डागांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली/राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिंगरी के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय के नेतृत्व में सहायक उप जेल नारायणपुर में बंदियों के परिजनों को विधिक जानकारी एवं प्रक्रियात्मक मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु जेल प्रशासन सहयोग एवं समयवन से उप जेल नारायणपुर के मुलाकाती क्षेत्रों में विधिक सहायता हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। जिसका उद्देश्य बंदियों के परिजन/आश्रितों को बंदियों से मुलाकात करने एवं बंदियों की समस्या की जानकारी ली जाकर परिजनों को हेल्प डेस्क के माध्यम से मुलाकात की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, निःशुल्क विधिक सहायता, जमानत प्रकरण की स्थिति, अपील प्रस्तुत किये जाने के संबंध में आवश्यक दस्तावेज, आवेदन संबंधी जानकारी तथा अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के संबंध में सरल एवं सुगम मार्गदर्शन प्रदान किया जाना है। उक्त विधिक सहायता हेल्प डेस्क में आम आदमी एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी दी जा रही है। उक्त हेल्प डेस्क में पैनल अधिवक्ता एवं पैरालीगल वालेंटियर /अधिकार मित्र नियुक्त है, जो बंदियों एवं उनके परिजनों/ आश्रितों को विधिक सलाह, सहायता संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ मुलाकात प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाना है। जिसका लाभ सीधे बंदियों एवं उनके परिजन/आश्रितों को जेल मुलाकाती क्षेत्र में पहुंच सके।

इंटरनेशनल ठग गिरोह का भंडाफोड़, फर्जी कॉल कर 30 लाख की ठगी करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

केशकाल-कोंडागांव। फरसगांव पुलिस को साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली और उत्तरप्रदेश से संचालित एक इंटरनेशनल संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बीमा लोकपाल बनकर प्रार्थी को झांसे में लिया और लगभग 30 लाख रुपए की ठगी की है। करीब तीन महीने की जांच, तकनीकी विश्लेषण और दिल्ली में लगातार दबिश के बाद पुलिस इस गिरोह तक पहुंचने में कामयाब हुई। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय ने बताया कि कोपरा बाजारपारा निवासी संगम राणा को बीमा लोकपाल परिषद के नाम पर कॉल किया गया। ठगों ने खुद को एजेंट बताकर कहा कि उनकी इंश्योरेंस की लाखों रुपये की राशि फंसी हुई है, जिसे प्रोसेसिंग फीस जमा करने के बाद वापस दिलाया जाएगा। झांसे में आकर पीड़ित ने अलग-अलग बैंक खातों में करीब 29 लाख 69 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। शिकायत मिलने के बाद फरसगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण, बैंक खातों की जांच और मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग के जरिए पुलिस को कई अहम सुराग मिले। फरसगांव एसडीओपी अभिनव उपाध्याय के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर दिल्ली और उत्तरप्रदेश में लगातार दबिश दी गई। करीब 10 दिनों तक चली कार्रवाई के बाद पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी फर्जी सिम, बैंक खाते और आधार डिटेल बदलकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। रकम खाते में आते ही अलग-अलग एटीएम से पैसे निकाल लिए जाते थे ताकि पुलिस तक कोई सुराग न पहुंचे। पुलिस के मुताबिक गिरोह का मुख्य आरोपी पहले भी साइबर अपराध के मामलों में जेल जा चुका है और यह नेटवर्क पिछले कई वर्षों से सक्रिय था। फिलहाल पुलिस आरोपियों के अन्य राज्यों में फैले नेटवर्क और बैंक खातों की जांच में जुटी हुई है। इस कार्यवाही में एसडीओपी फरसगांव अभिनव उपाध्याय, निरीक्षक राजकुमार सोरी, उप निरी. शशिभूषण पटेल, प्र.आर. शैलेन्द्र ठाकुर, आर. अजरंग बघेल, रामकुमार ठाकुर, लक्ष्मीनारायण सोरी, महिला आरक्षक सरस्वती यादव सहित साइबर टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 का शुभारंभ, दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर

कोण्डागांव। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 का शुभारंभ कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा किया गया। इस वर्ष उत्सव की थीम सबसे दूर, सबसे पहले निर्धारित की गई है। इस अभियान का उद्देश्य दूरस्थ एवं विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत हितग्राहियों तक शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित उन्मुखीकरण बैठक में कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को कार्यक्रम की रूपरेखा एवं कार्ययोजना की जानकारी देते हुए विभागीय गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक जनजातीय हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास द्वारा 18 से 25 मई 2026 तक आयोजित होने वाले सात दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम अंतर्गत प्रचार-प्रसार अभियान, लाभार्थी संतृप्ति एवं स्वास्थ्य शिविर, ट्रांसेक्ट वॉक (ग्राम भ्रमण) तथा आदि सेवा केंद्रों में जनसुनवाई जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम का आयोजन धरती आबा अभियान अंतर्गत चयनित ग्रामों में प्राथमिकता के साथ किया जाए, ताकि सुदूर अंचलों में निवासरत जनजातीय नागरिकों तक उत्सव का अधिकतम लाभ पहुंचाया जा सके।

डड़सेना सिन्हा कलार समाज को मिली बड़ी सौगात, नवनिर्मित भवन का अध्यक्ष ने किया लोकार्पण

किरन्दुल। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। डड़सेना सिन्हा (कलार) समाज के लिए ऐतिहासिक दिन रहा, जब नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने समाज के बहुप्रतीक्षित सामाजिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया।वर्षों से समाज के लोग अपने भवन की मांग कर रहे थे, जिसके पूरा होने पर समाज में खुशी का माहौल देखने को मिला।समाज के लोगों ने बताया कि भवन नहीं होने के कारण सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब नए भवन के बनने से समाज को एक स्थायी स्थान मिल गया है, जहां बैठकें एवं विभिन्न कार्यक्रम आसानी से आयोजित किए जा सकेंगे।नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सभी समाजों का विकास एवं उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने सामाजिक भवन को समाज की एकता और संगठन का प्रतीक बताया।वार्ड पार्षद बाल सिंह कश्यप ने कहा कि समाज के हित में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं और आने वाले समय में भी जनसुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

पेंड्रावन में श्रम पंजीयन शिविर का हुआ आयोजन 38 श्रमिकों का हुआ पंजीयन और नवीनीकरण

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप एवं कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिला कोण्डागांव में निर्माण श्रमिकों एवं असंगठित कर्मकारों के पंजीयन, नवीनीकरण तथा विभागीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बड़ेराजपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत पेण्ड्रावन में मोबाइल पंजीयन एवं नवीनीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कार्यालय श्रम पदाधिकारी, जिला कोण्डागांव द्वारा किया गया, जिसमें कुल 36 श्रमिकों का पंजीयन किया गया, वहीं 02 हितग्राहियों का नवीनीकरण किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, नोनी बाबू मेघावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना सहित श्रमिकों के कल्याण से संबंधित अन्य योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने श्रमिकों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

कोंडागांव पुलिस ने किया जुआ खेलाने वालों गिरफ्तार

कोंडागांव। जिला कोंडागांव में पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल के द्वारा अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने का निर्देश प्राप्त हुआ है, जिस पर थाना प्रभारी कोंडागांव निरीक्षक सौरभ उपाध्याय के नेतृत्व में थाना एवं सायबर सेल की टीम गठित कर लगातार क्षेत्र में पता तलाश किया जा रहा था, कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ कि सोनाबाल के साप्ताहिक बाजार में एवं ग्राम कमेला के वार्षिक मेला में कुछ लोग रुपए पैसे का दाव लगाकर प्रतिबंधित जुआ खुडखुडिया खेला रहे है कि सूचना पर थाना कोण्डागांव एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम को तत्काल रवाना किया गया। जहां ग्राम कमेला वार्षिक मेला स्थल एवं साप्ताहिक बाजार सोनाबाल के कुछ लोग रूपये पैसा का हारजीत का दाव लगाकर खुडखुडिया नामक जुआ खेल रहे थे, जो कि घेराबंदी कर 03 अलग अलग मामलों में 05 व्यक्तियों को रूपये खुडखुडिया जुआ खेलाते पकड़ा गया तथा इनके कब्जे से खुडखुडिया गोटा (पासा), टोकना, खुडखुडी पर्दा नगदी रकम 11475 रूपये को गवाहो के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ जुआ अधिनियम प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 03 का होना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर मौके पर विधिवत गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जोनल रेल मुख्यालय में कवि सुमित्रानंदन पंत की 126वीं जयंती मनाई गई

बिलासपुर। दिनांक 20.05.2026 को राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा हिंदी साहित्य के छायावादी युग के महान कवि सुमित्रानंदन पंत जी की 126वीं जयंती का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्री पीताम्बर लाल जाटवर, राजभाषा अधिकारी (मुख्यालय), द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर एवं उपस्थित कर्मचारियों द्वारा पंत जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया । प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत की रचनाओं पर चर्चा करते हुए श्री जाटवर ने कहा कि पंत जी की जयंती उनकी प्रकृति और मानवता के प्रति संवेदनशीलता को स्मरण करने का दिन है । उनकी कविताएँ आज भी हमें यह सिखाती हैं कि साहित्य समाज और जीवन को दिशा देने का सबसे सुंदर माध्यम है । 'पल्लव', 'वीणा', 'चिदंबरा' तथा लोकायतन पंत जी की प्रमुख रचनाएं हैं और उन्हें 'चिदंबरा' के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया । इस अवसर पर उपस्थित कर्मचारियों द्वारा 'नौका विहार' तथा 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का पाठ कर, प्रकृति के चितेरे कवि को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया ।

कमल किशोर सिन्हा ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

बिलासपुर। श्री कमल किशोर सिन्हा ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के पद पर आज पदभार ग्रहण किया है । 1995 बैच के भारतीय रेल ट्रैफिक सेवा अधिकारी श्री सिन्हा इसके पूर्व दक्षिण पूर्वी रेलवे/कोलकाता में प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे । उन्होने पूर्व मध्य रेलवे के महत्वपूर्ण रेल मंडल धनबाद में मंडल रेल प्रबंधक जैसे प्रतिष्ठित पद पर भी कार्य किया है । वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक रहे, श्री जे.एस. बिंद्रा का विशाखापट्टनम पोर्ट प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में प्रतिनियुक्ति पर जा रहे है । अब श्री सिन्हा प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के रूप में इनका स्थान लेगें ।

ई-श्रम साथी ऐप से श्रमिकों को मिलेगा घर बैठे रोजगार

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले के सभी निर्माण विभागों से श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शुरू किए गए ई-श्रम साथी ऐप (सीजी लेबर चौक) में अधिक से अधिक पंजीयन कराने का अनुरोध किया गया है। इस ऐप के माध्यम से श्रमिकों को अब काम की तलाश में लेबर चौक अथवा चावड़ी में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी। श्रम विभाग द्वारा विकसित इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए जिस भी व्यक्ति, संस्था अथवा ठेकेदार को श्रमिकों की आवश्यकता होगी, वे ऐप के माध्यम से सीधे श्रमिकों से संपर्क कर आवश्यकतानुसार कार्य पर बुला सकेंगे। इससे श्रमिकों को रोजगार के अवसर आसानी से उपलब्ध होंगे तथा समय और श्रम की बचत भी होगी। जिले के सभी निर्माण विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ ठेकेदारों को नियोक्ता के रूप में ऐप में पंजीयन कराने के लिए प्रेरित करें। साथ ही निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों का भी श्रमिक श्रेणी में पंजीयन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें। श्रम विभाग के सहायक आयुक्त ज्योति मिश्रा ने कहा है कि यह पहल श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच सीधा समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी तथा श्रमिकों को पारदर्शी और त्वरित रोजगार उपलब्ध कराने में सहायक बनेगी।

अब मदद होगी और तेज

जिले को मिली 24 अत्याधुनिक डायल-112 वाहन सेवा की सौगात

- उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा- संकट में आमजन का सबसे बड़ा सहारा बन रही 112 सेवा
- वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बिलासपुर। आम नागरिकों को त्वरित सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में बिलासपुर जिले को 24 नई अत्याधुनिक डायल-112 वाहनों की बड़ी सौगात मिली है। बिलासागुड़ी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने वर्चुअली जुड़कर कहा कि संकट में 112 वाहन सेवा लोगों का सबसे बड़ा सहारा बन रही है। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई वाहनों के शामिल होने से जिले में पुलिस रिस्पॉन्स सिस्टम और अधिक मजबूत एवं प्रभावी होगा। कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि डायल-112 सेवा आज आम जनता के भरोसे का मजबूत माध्यम बन चुकी है। नई तकनीक और आधुनिक सुविधाओं से लैस ये वाहन आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों तक और तेजी से पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने लगातार कार्य कर रही है, ताकि हर नागरिक को सुरक्षित वातावरण मिल सके। कार्यक्रम में तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा कि डायल-112 सेवा जनता के भरोसे का प्रतीक बन चुकी है। संकट के समय यह सेवा लोगों को त्वरित राहत और सुरक्षा का एहसास कराती है। बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने वर्चुअली जुड़कर कहा कि डायल-112 सेवा की विशेषता यह है कि सूचना मिलते ही टीम

लोकेशन ट्रेस कर तत्काल सहायता पहुंचाती है। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि किसी भी दुर्घटना, अपराध या आपदा में सबसे पहले पुलिस ही मौके पर पहुंचती है। उन्होंने कहा कि समाज और प्रशासन दोनों को मिलकर कानून व्यवस्था को मजबूत करना होगा। पुलिस जवान दिन-रात जनता की सुरक्षा में लगे रहते हैं और उनका सम्मान हर नागरिक का दायित्व है। विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि डायल-112 सेवा ने आम नागरिकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। पुलिस की संवेदनशील कार्यप्रणाली से लोगों का भरोसा लगातार बढ़ा है। विधायक दिलीप लहरिया ने कहा कि पुलिस विभाग की सक्रियता से लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि पुलिस विभाग जिस तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है, वह सराहनीय है। अपराधियों में कानून का भय और आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाने में डायल-112 महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि पहले यह सुविधा सीमित क्षेत्रों तक थी, लेकिन अब इसके विस्तार से जिले के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। आईजी रामगोपाल गर्ग ने कहा कि डायल-112 सेवा को अब प्रदेश के सभी 33 जिलों में विस्तारित किया गया है। इसमें पुलिस के साथ-साथ फायर एवं एम्बुलेंस सेवाओं को भी जोड़ा गया है, जिससे लोगों को एक ही प्लेटफॉर्म पर त्वरित सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि कई बार प्रसव जैसी आपात स्थितियों में भी डायल-112 टीम ने समय पर पहुंचकर मदद की है। व्हाट्सएप सुविधा शुरू होने से आमजन के लिए सहायता प्राप्त करना और आसान होगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि नई डायल-112 वाहन सेवा से जिले में आपातकालीन सेवाओं की कार्यक्षमता और बेहतर होगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रतनपुर ग्रामीण की कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुआ....

बिलासपुर। अखिल भारतीय कांग्रेसकमेटी के मार्गदर्शन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन के तहत बिलासपुर जिला अंतर्गत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रतनपुर ग्रामीण के कार्यकारिणी का प्रथम बैठक माननीय प्रभंजन बंटी बैसवाड़े अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रतनपुर ग्रामीण के अध्यक्षता में सामुदायिक भवन बेलतरा में आयोजित किया गया उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विजय केसरवानी जी पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के छाया विधायक , राजेंद्र डब्बू साहू कांग्रेस नेता, संतोष गर्ग ब्लॉक अध्यक्ष बिलासपुर, शीतल दास मानिकपुरी समन्वयक, अनिल यादव कांग्रेस नेता, संतोष सिंह राज अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस, अभिमन्यु धीवर अध्यक्ष किसान कांग्रेस, रूपेश

कश्यप जिला महामंत्री किसान कांग्रेस ,राजेंद्र मिथुन वर्मा उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रतनपुर ग्रामीण,कि गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ इस अवसर पर जीवन लाल निर्मलकर कोषाध्यक्ष, राजेंद्र मिथुन वर्मा उपाध्यक्ष ,रामफल कौशिक उपाध्यक्ष, राजकुमार श्याम उपाध्यक्ष ,रमेश गवाड़ा उपाध्यक्ष, दिनेश कश्यप उपाध्यक्ष ,राजकुमार कौशिक उपाध्यक्ष, राघवेंद्र गहवाई महामंत्री, भानु प्रताप कश्यप महामंत्री, अशोक जायसवाल महामंत्री ,सहोरन यादव महामंत्री, दुर्गेश यादव महामंत्री ,सुश्री मिथिलेश जायसवाल महामंत्री , डॉक्टर लोकेश कश्यप महामंत्री, राजकुमार राज महामंत्री, बंटी धीवार महामंत्री, सुरेश भागव सचिव, आकाश यादव सचिव,गया प्रसाद लाश्कर सचिव, रमेश कश्यप सचिव, श्रीमती ललिता सूर्यवंशी सचिव ,मन्नू सूर्यवंशी सचिव, रामकुमार टिखले सचिन ,भागवत साहू सचिव ,श्रीमती शीला मानिकपुरी सचिव।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत रेल परिसरों में स्वच्छता एवं कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देने हेतु विशेष जन जागरूकता अभियान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का चरणबद्ध आयोजन किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना तथा स्वच्छ एवं सतत जीवनशैली को प्रोत्साहित करना इसका मुख्य उद्देश्य है। इसी क्रम में अभियान के पांचवें दिन Waste Segregation & Passenger Awareness (कचरा पृथक्करण एवं यात्री जागरूकता) विषय पर मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। मंडल के वाणिज्य द्वारा चिकित्सा विभाग के समन्वय से

उदघोषणाओं, जनसंपर्क गतिविधियों तथा प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से यात्रियों को कचरा पृथक्करण के महत्व एवं इसके पर्यावरणीय लाभों की जानकारी दी गई। इस दौरान स्टेशन परिसरों में गीले एवं सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई । साथ ही उपलब्ध सभी डस्टबिनों की नियमित जाँच एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यात्रियों एवं आमजनों को कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण एवं पृथक्करण के प्रति जागरूक करने हेतु डस्टबिन के समीप आकर्षक पोस्टर एवं सूचना सामग्री प्रदर्शित की जा रही है, जिनमें गीला कचरा एवं सूखा कचरा को अलग-अलग रखने के सरल एवं प्रभावी तरीकों को दर्शाया गया है। इसके माध्यम से लोगों को स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उत्कर्ष योजना के तहत आवेदन 20 जून तक

बिलासपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को वर्ष 2026-27 में राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश का अवसर मिलेगा। विद्यार्थी को अपने विद्यालय में 20 जून 2026 तक आवेदन जमा करना होगा। प्रवेश के लिए 26 जुलाई 2026 रविवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइटपर उपलब्ध है। योजना के तहत केवल छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे छात्र-छात्राएं आवेदन के पात्र होंगे, जो राज्य में संचालित मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5वीं में नियमित अध्ययनरत हों तथा कक्षा 4वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त किए हों। अभिभावकों की वार्षिक आय सभी स्रोतों से 2 लाख 50 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही छात्र-छात्राएं ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत अथवा नगर पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों में अध्ययनरत होना आवश्यक है। प्रवेश परीक्षा जिला एवं विकासखंड स्तर पर निर्धारित परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। छात्र-छात्राएं केवल अपने मूल निवास जिले में ही आवेदन कर सकेंगे। अन्य जिले में किया गया आवेदन मान्य नहीं होगा। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं नियमावली की जानकारी संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

कोल इंडिया के मध्य एवं पश्चिम क्षेत्र के पावर एवं एनआरएस सेक्टर के कोयला उपभोक्ताओं की बैठक एसईसीएल मुख्यालय में आयोजित

बिलासपुर। कोल इंडिया के मध्य एवं पश्चिम क्षेत्र के पावर एवं एनआरएस सेक्टर के कोयला उपभोक्ताओं की बैठक का आयोजन आज एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में किया गया। उपभोक्ताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने, कोल सप्लाई, गुणवत्ता प्रबंधन एवं परिचालन

संबंधी विषयों पर संवाद को मजबूत बनाने के उद्देश्य से इस कंज्यूमर मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसईसीएल के सीएमडी श्री हरीश दुहन, कोल इंडिया के निदेशक (वित्तपोषण) श्री मुकेश चौधरी, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार एवं निदेशक (योजना/परियोजना) श्री रमेशचंद्र महापात्र उपस्थित रहे। अपने संबोधन में एसईसीएल के सीएमडी श्री हरीश दुहन ने कहा कि एसईसीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण कोयला उपलब्ध कराने एवं समयबद्ध डिस्पैच सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कंपनी का इस वर्ष 195 मिलियन टन उत्पादन तथा 200 मिलियन टन ऑफटेक का लक्ष्य है, जिसे एसईसीएल पूरी प्रतिबद्धता एवं दक्षता के साथ प्राप्त करेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं को भरोसा दिलाया कि एसईसीएल निरंतर बेहतर गुणवत्ता का कोयला उपलब्ध कराने तथा उपभोक्ता संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में कोल इंडिया के निदेशक (वित्तपोषण) श्री मुकेश चौधरी ने कहा कि कोल इंडिया अपने उपभोक्ताओं को निर्धारित गुणवत्ता का कोयला उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य उपभोक्ताओं को निर्बाध कोल सप्लाई सुनिश्चित करना तथा गुणवत्ता संबंधी समस्याओं एवं ग्रेड स्लिपेज को न्यूनतम स्तर पर रखना है। उन्होंने उपभोक्ताओं द्वारा बैठक के दौरान दिए गए सुझावों एवं फीडबैक का स्वागत करते हुए कहा कि सभी महत्वपूर्ण विषयों पर त्वरित एवं सकारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। कंज्यूमर मीट में विभिन्न पावर एवं एनआरएस सेक्टर की उपभोक्ता कंपनियों के लगभग 125 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कोल सप्लाई, गुणवत्ता प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स एवं बेहतर आपसी समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपभोक्ताओं द्वारा अपने सुझाव एवं फीडबैक भी साझा किए गए, जिन पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया गया। बैठक में महाप्रबंधक (विक्रय एवं वित्तपोषण) श्री अजित चौधरी सहित एसईसीएल एवं कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके उपरांत संध्या एसईसीएल मुख्यालय स्थित सीएमडी कॉन्फ्रेंस हॉल में कोल इंडिया के निदेशक (वित्तपोषण) श्री मुकेश चौधरी एवं एसईसीएल के सीएमडी श्री हरीश दुहन ने छत्तीसगढ़ स्पॉन्ज आयरन मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन तथा स्पॉन्ज आयरन उद्योग से जुड़े उपभोक्ताओं के साथ बैठक की एवं उद्योग से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 19 मई, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 05 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । बिलासपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-IV / जामगा, श्री ललन रजक ने दिनांक 17 अप्रैल, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान निकटवर्ती क्षेत्र में रेलवे ट्रैक की ओर तेजी से बढ़ती हुई जंगल की आग देखा । तुरंत अपने इंचार्ज को सूचित किया । तत्पश्चात PWI ने मौके पर पहुँचकर अन्य कर्मचारियों की सहायता से समय रहते आग पर काबू पा लिया । इस प्रकार श्री ललन रजक की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।

बिलासपुर रेल मण्डल के यातायात सहायक-I / उमरिया श्री शिव नारायण बर्मन ने दिनांक 23 अप्रैल, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान माल गाड़ी के गाड़ी सं-N/KPRJ के साथ सिग्नल आदान-प्रदान करते समय देखा कि थरू जा रही गाड़ी में ब्रेकवेन से 21वें वैगन से धुंआ निकल रहा है तो उन्होने तुरंत स्टेशन मास्टर उमरिया को सूचित किया । जाँच के दौरान हॉट एक्सल पाया । जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री शिव नारायण बर्मन की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । बिलासपुर रेल मण्डल के ट्रैक मेंटेनर-II/ बाराद्वार, श्री खूब चन्द साहू ने दिनांक 28 अप्रैल, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान लेवल क्रॉसिंग-324 गेट पर कार्य के दौरान देखा कि गाड़ी सं-N/Bo& के इंजन से 12वें वैगन से असामान्य आवाज आ रही है तो उन्होने तुरंत स्टेशन मास्टर शक्ति को सूचित किया । इसके पश्चात शक्ति स्टेशन में जाँच के दौरान फ्लेट टायर पाया गया । जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री शेख जावेद मंसुरी की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के लोको पायलट (मालगाड़ी)/ नागभीड़ , श्री अजय कुमार पटेल ने दिनांक 13 अप्रैल, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान एक गाड़ी मे कार्य करते समय केलझर स्टेशन में खड़ी लाइन क्र. 1 की गाड़ी RN/ASN मे इंजन से 30 वे वेगन मे एक्सल से धुआँ निकाल रहा था । तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया । इस प्रकार श्री अजय कुमार पटेल की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । इन संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, प्रधान मुख्य इंजीनियर अन्य विभागाध्यक्ष सहित अधिकारीगण उपस्थित थे ।

भीषण गर्मी और लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी जारी

बिलासपुर। जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए जिला स्वास्थ्य समिति बिलासपुर ने नागरिकों के लिए लू से बचाव संबंधी एडवाइजरी जारी की है। इन दिनों बिलासपुर में तापमान लगभग 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है, जिससे हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से दोपहर के समय तेज धूप में बाहर निकलने से बचने तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी संदेश में बताया गया है कि लू लगने के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, चक्कर आना, बेहोशी, उल्टी-मितली, सिरदर्द तथा त्वचा का लाल और सूखा होना शामिल है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत छांव या ठंडी जगह पर जाएं, शरीर को ठंडा करें तथा पानी या ओआरएस दें। आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी अस्पताल में तत्काल उपचार कराएं। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे दिनभर पानी, ओआरएस, छाछ, नींबू पानी जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें। तरबूज, खीरा, ककड़ी, मौसमी फल एवं हरी सब्जियों का अधिक उपयोग करें। बाहर निकलते समय सिर को गमछा, टोपी या छाते से ढंककर रखें तथा हल्के और ढीले कपड़े पहनें। विभाग ने यह भी कहा है कि खाली पेट धूप में न निकलें तथा चाय, कॉफी और अधिक तले-भुने खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।

किराए के घर में भी अपनाएं वास्तु के ये आसान नियम...

आज के समय में बड़ी संख्या में लोग नौकरी, व्यापार या पढ़ाई के कारण किराए के घर में रहते हैं। अक्सर लोगों को लगता है कि वास्तु शास्त्र के नियम केवल अपने घर पर ही लागू किए जा सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार किराए के घर में भी कुछ आसान वास्तु उपाय अपनाकर सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और तरक्की प्राप्त की जा सकती है। खास बात यह है कि इन उपायों के लिए किसी प्रकार की तोड़फोड़ या बड़े बदलाव की आवश्यकता नहीं होती।

घर की साफ-सफाई

वास्तु शास्त्र में स्वच्छता को सकारात्मक ऊर्जा का आधार माना गया है। किराए के घर में प्रवेश करते ही सबसे पहले पूरे घर की अच्छी तरह सफाई करें। घर में बेकार, टूटी-फूटी और अनुपयोगी वस्तुएं जमा न होने दें। मान्यता है कि गंदगी और अव्यवस्था नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है, जिससे मानसिक तनाव और आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं।

मुख्य द्वार पर दें ध्यान

वास्तु के अनुसार घर का मुख्य द्वार ऊर्जा का मुख्य स्रोत माना जाता है। किराए के घर में मुख्य दरवाजे को हमेशा साफ रखें। दरवाजे पर शुभ चिन्ह जैसे स्वास्तिक, ॐ या शुभ-लाभ लगाना शुभ माना जाता है। इसके अलावा मुख्य द्वार के पास पर्याप्त रोशनी होनी चाहिए, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

पूजा स्थान सही दिशा में रखें

किराए के घर में छोटा सा पूजा स्थान भी सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद करता है। वास्तु अनुसार ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा पूजा के लिए सबसे शुभ मानी गई है। यदि संभव हो तो पूजा करते समय मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखें। इससे मन में शांति और सकारात्मकता बनी रहती है।

सोने की दिशा का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार सोते समय सिर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर होना शुभ माना जाता है। इससे अच्छी नींद आती है और मानसिक तनाव कम होता है। वहीं उत्तर दिशा में सिर रखकर सोने से बचना चाहिए। किराए के घर में भी इस छोटे से नियम को अपनाकर स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति को बेहतर बनाया जा सकता है।

रसोई और जल तत्व का संतुलन

यदि किराए के घर में रसोई गलत दिशा में हो तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। वास्तु मान्यता के अनुसार रसोई को हमेशा साफ-सुथरा रखें और गैस चूल्हे के पास पानी से भरे बर्तन न रखें। पानी और अग्नि तत्व का संतुलन बनाए रखना आवश्यक माना जाता है। इसके अलावा घर में पानी का रिसाव या टपकता नल तुरंत ठीक करवाना चाहिए, क्योंकि इसे आर्थिक हानि का कारण माना जाता

गर्मियों में स्टाइलिश लुक के लिए चूज करें फैंसी ब्लाउज

गर्मियों में हाफ स्लीव्स वाले ब्लाउज कंफर्टेबल भी रहते हैं और स्टाइलिश भी लगते हैं। यहां हम ऐसे ही कुछ फैंसी ब्लाउज डिजाइन ले कर आए हैं, जो इस समर्स आपके साड़ी लुक में मॉडर्न और स्टाइलिश टच एड कर सकते हैं।

गर्मियों के लिए बेस्ट हैं ये हाफ स्लीव्स डिजाइन

गर्मियों के मौसम में भारी और फुल स्लीव्स ब्लाउज पहनना ज्यादातर महिलाओं को अंकफर्टेबल लगता है। खासकर डेली वियर के लिए तो हाफ स्लीव्स ब्लाउज ही महिलाओं की पहली पसंद होते हैं। अब सिंपल बेसिक डिजाइन का जमाना तो गया, ट्रेंड है डिजाइनर ब्लाउज का। इनमें नेकलाइन से ले कर स्लीव्स तक, छोटी-छोटी डिटेलिंग काफी खास होती हैं। यहां हम आपके लिए समर स्पेशल ऐसे ही ब्लाउज डिजाइन ले कर आए हैं, जो आपकी साड़ी के लुक को और भी स्पेशल बना देंगे।

डोरी और लेस लगवाकर बनवाएं फैंसी डिजाइन

ब्लाउज की बैक पर ये डोरी डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में है। इसमें डोरी नीचे की तरफ अटैच की जाती है, जिसमें आप लटकन अटैच करा सकती हैं। डीप वी नेकलाइन काफी ज्यादा स्टाइलिश लगेगी, साथ में आप बीड्स वाली लेस लगवा सकती हैं। ब्लाउज का लुक और भी स्पेशल लगेगा।

डोरी डिजाइन वाला फैंसी ब्लाउज

स्टाइलिश लुक के लिए डोरी डिजाइन वाला ब्लाउज पीस स्टिच करा सकती हैं। किसी पार्टी-फंक्शन के लिए साड़ी तैयार करवा रही हैं, तो ये वाला पैटर्न आपके लिए परफेक्ट रहेगा। प्रॉपर बैकलेस वाला लुक है तो काफी ग्लैमरस लगता है।

बैक कट वाला पैटर्न लगेगा फैंसी

बैक कट वाला ये पैटर्न काफी मोडेस्ट और क्लासी लुक देगा। कोई यूनिक डिजाइन ढूंढ रही हैं, तो इसे ट्राई कर सकती हैं। ऑफिस वियर के लिए कॉटन साड़ी के साथ ऐसे ब्लाउज काफी ज्यादा जचते हैं।

फ्रिल स्लीव्स वाला स्टाइलिश ब्लाउज

स्लीव्स डिजाइनर हों तो ब्लाउज का लुक काफी फैंसी लगता है। ये फ्रिल स्लीव्स काफी मॉडर्न लगेंगी और गर्मियों में आपके कंफर्ट का भी पूरा ध्यान रखेंगी। डेली वियर के लिए खासकर ऐसा ब्लाउज एकदम परफेक्ट रहेगा।

प्रिंसेज नेक कट ब्लाउज

स्टाइलिश लुक के लिए आप ये प्रिंसेज कट नेकलाइन बनवा सकती हैं। इसमें लुक बड़ा प्यारा आता है। इसकी स्लीव्स भी काफी ट्रेंडी और कंफर्टेबल हैं। डेली वियर हो या कोई शादी-पार्टी का मौका, ये ब्लाउज पीस परफेक्ट रहेगा।

बाल को नेचुरली सॉफ्ट बनाने के उपाय

सॉफ्ट, सिल्की और शाइनी बाल सभी को पसंद हैं। इनके लिए लोग महंगे-महंगे सिरम, हेयर मास्क, जेल और कंडीशनर भी यूज करते हैं लेकिन बावजूद इनके बाल रुखे-सूखे और बेजान ही दिखाई पड़ते हैं। खासकर गर्मियों में तो बालों की हालत और भी खराब हो जाती है। धूल-मिट्टी, पसीना मिलकर बालों को और भी फ्रिजी बना देते हैं।

ऐसे में हेयर एक्सपर्ट ने एक सिंपल सा देसी नुस्खा शेयर किया है, जो हफ्ते भर में ही आपके बालों की हालत सुधार देगा। बालों को शैंपू करने से पहले आपको ये छोटा सा काम करना है, जिससे आपके बाल नेचुरली सॉफ्ट और काफी मैनेजेबल हो जाएंगे।

हेयर एक्सपर्ट ने दी प्री-कंडीशनिंग की सलाह

हेयर एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि आपको बाल धोने से पहले प्री-कंडीशनिंग जरूर करनी चाहिए। प्री-कंडीशनिंग का मतलब होता है शैंपू करने से पहले बालों को हल्का मॉइश्चर देना, ताकि शैंपू के बाद बाल एकदम से ड्राई और रफ ना हों और उनमें नमी बनी रहे। इसके लिए आपको सिर्फ शैंपू करने से 10 मिनट पहले अपने बालों को हल्का गीला करना है, फिर सरसों का तेल अच्छी तरह अप्लाई कर लेना है। इसके बाद जैसे नॉर्मली शैंपू से हेयर वॉश करते हैं, वैसे कर लें।

कैसे काम करती है ये ट्रिक?

अक्सर जब आप सूखे बालों पर शैंपू अप्लाई करते हैं, तो आप खुद नोटिस करेंगे कि बाल काफी ज्यादा ड्राई और उलझे हुए हो जाते हैं। खासकर अगर आपके बाल पहले से ही फ्रिजी हैं, तो रूखापन और भी ज्यादा बढ़ सकता है। प्री-कंडीशनिंग करने से बालों पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बन जाती है, जिससे शैंपू के बाद भी बाल सॉफ्ट और मैनेजेबल बने रहते हैं।

कितने दिन फॉलो करनी है ये ट्रिक

प्री-कंडीशनिंग को आप अपने नॉर्मल हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। जब भी हेयर वॉश करने जाएं, बस 10 मिनट पहले बालों को हल्का गीला कर के सरसों का तेल अप्लाई कर लें। हालांकि एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि अगर आपके बाल काफी रूखे, ड्राई और फ्रिजी हैं, तो एक हफ्ते लगातार आप ये तरीका फॉलो कर सकते हैं। 1 हफ्ते में ही आपको बालों में काफी फर्क महसूस होगा। वो पहले से ज्यादा सॉफ्ट, शाइनी और मैनेजेबल नजर आएंगे।

बाल धोते समय इन बातों का भी ध्यान रखें

बाल धोते समय छोटी-छोटी बातों का और ध्यान रखें। जैसे- कभी भी ज्यादा ठंडे और गर्म पानी से बाल नहीं धोने चाहिए। हमेशा हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। बार-बार हीट स्टाइलिंग और केमिकल ट्रीटमेंट्स बालों को कमजोर बना सकते हैं, इसलिए बालों की बेसिक केयर पर ध्यान देना सबसे जरूरी माना जाता है।

खांसी में कौन से फल खाएं

मौसम बदलते ही खांसी, गले में खराश और बलगम जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। कई लोग दवाइयों के साथ खानपान पर भी ध्यान देते हैं, क्योंकि कुछ चीजें गले को राहत पहुंचाने में मदद कर सकती हैं। खासतौर पर फल शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट देते हैं, जिससे इम्यूनिटी मजबूत होती है और शरीर जल्दी रिकवर करने में मदद पाता है। हालांकि खांसी में हर फल फायदेमंद नहीं होता, इसलिए ऐसे फलों का चुनाव जरूरी है जो गले को आराम दें और शरीर को हाइड्रेट रखें। सही फल खाने से कमजोरी कम होती है और गले की जलन में भी राहत मिल सकती है।

अनानास

अनानास में ब्रोमेलिन नाम का एंजाइम पाया जाता है, जो गले में जमा बलगम को पतला करने और सूजन कम करने में मदद कर सकता है। यही वजह है कि कई लोग खांसी और गले की खराश में अनानास को फायदेमंद मानते हैं। इसमें विटामिन C भी होता है, जो इम्यूनिटी को सपोर्ट करता है। खट्टा अनानास कुछ लोगों के गले में जलन भी कर सकता है, इसे संतुलित मात्रा में खाना चाहिए।

अनार का जूस

अनार का जूस एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन्स से भरपूर होता है। यह शरीर को हाइड्रेट रखने और कमजोरी कम करने में मदद कर सकता है। खांसी के दौरान जब शरीर थका हुआ महसूस करता है, तब अनार का जूस एनर्जी देने का काम कर सकता है। इसे बहुत ठंडा पीने से बचना चाहिए, क्योंकि ठंडी चीजें कुछ लोगों की खांसी बढ़ा सकती हैं।

केला

केला पोषक तत्वों से भरपूर और आसानी से पचने वाला फल माना जाता है। इसमें फास्ट-एक्टिंग कार्बोहाइड्रेट और सॉल्युबल फाइबर होता है, जो शरीर को जल्दी एनर्जी देने में मदद करता है। खांसी, सर्दी या कमजोरी के दौरान केला रिकवरी में मददगार माना जाता है। यही वजह है कि BRAT डाइट में भी केले को शामिल किया जाता है। हालांकि अगर केला खाने से बलगम बढ़ता महसूस हो, तो इसकी मात्रा कम रखनी चाहिए।

कीवी भी काफी फायदेमंद

कीवी भले ही खांसी में थोड़ा अलग विकल्प लगे, लेकिन इसे इम्यूनिटी बढ़ाने वाले फलों में गिना जाता है। इसमें विटामिन C और कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद कर सकते हैं। कुछ स्टडीज के मुताबिक, सर्दी-जुकाम के दौरान कीवी खाने से गले की परेशानी और रिकवरी में फायदा मिल सकता है। इसे भी सामान्य तापमान पर खाना बेहतर माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए सुख-सुविधाओं और पारिवारिक शांति की वृद्धि लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा अपनी स्वराशि में गोचर कर रहे हैं। प्रथम भाव में स्थित मंगल आपको कार्यक्षेत्र में नेतृत्व करने की ऊर्जा प्रदान करेंगे। करियर में तरक्की के नए अवसर मिलेंगे और सुखद वातावरण रहेगा। व्यापार में स्थिरता आएगी और जमीन-जायदाद से संबंधित निवेश में लाभ होने के योग हैं। लव लाइफ में गहराई और विश्वास बढ़ेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

वृषभ राशि - आपकी राशि के तृतीय भाव में चंद्रमा विराजमान है। आपकी राशि में सूर्य और बुध की उपस्थिति करियर में आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएगी। बिजनेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आप अपनी मेहनत से सफलता प्राप्त करेंगे और आर्थिक लाभ होगा। नई शुरुआत के लिए समय अनुकूल है, छोटी दूरी की यात्राएं लाभदायक रहेंगी। प्रेम संबंधों में आकर्षण बना रहेगा और पार्टनर के साथ बेहतर तालमेल रहेगा।

मिथुन राशि - आपके लिए धन संचय और वाणी के प्रभाव का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा का संचरण हो रहा है। आपकी राशि में गुरु और शुक्र की युति करियर में शानदार अवसर और प्रमोशन के संकेत दे रही है। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है, जिससे आय के नए स्रोत खुलेंगे। निवेश के लिए समय बहुत लाभकारी है। लव लाइफ में रोमांस और नयापन महसूस करेंगे।

कर्क राशि - आपकी राशि के प्रथम भाव में चंद्रमा का गोचर हो रहा है। स्वराशि के चंद्रमा आपको मानसिक शांति और स्पष्टता प्रदान करेंगे। करियर में आपकी मेहनत का फल मिलेगा और नौकरी में नई चुनौतियों को आप सफलता में बदल देंगे। बिजनेस में प्रगति होगी और तरक्की के नए द्वार खुलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। लव लाइफ में पार्टनर के प्रति समर्पण बढ़ेगा और दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह राशि - आपके लिए खर्चों और सावधानी बरतने का है, क्योंकि आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर के सिलसिले में कुछ अनावश्यक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है। बिजनेस में उधारी के लेन-देन से बचें, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा के कारण चुनौतियां आ सकती हैं।

कन्या राशि - आपके लिए लाभ और खुशियों की सौगात लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा विराजमान है। करियर में तरक्की के प्रबल योग हैं और आपकी आय में अचानक वृद्धि हो सकती है। बिजनेस में बड़े निवेश का लाभ मिलेगा और नए व्यापारिक संपर्क बनेंगे। दोस्तों के साथ मिलकर किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते हैं। लव लाइफ में रोमांस भरपूर रहेगा और पार्टनर के साथ आपके संबंध और गहरे होंगे।

तुला राशि-आपके लिए करियर की ऊंचाइयों को छूने का होगा, क्योंकि आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा का संचरण हो रहा है। नौकरी में प्रमोशन और कार्यभार में वृद्धि हो सकती है, जो आपकी प्रगति के लिए अच्छी है। बिजनेस में स्थिरता आएगी और पुराने निवेशों से लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। लव लाइफ में आकर्षण बढ़ेगा, लेकिन काम की व्यस्तता के कारण पार्टनर को समय देना चुनौतीपूर्ण होगा।

वृश्चिक राशि - आपके लिए भाग्य की उन्नति और लंबी यात्राओं का है, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे नई शुरुआत और सफलता के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में जोखिम उठाना कल लाभदायक हो सकता है। आर्थिक लाभ के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप विवाह का निर्णय ले सकते हैं। उच्च शिक्षा से जुड़े जातकों को सुनहरे अवसर मिलेंगे।

धनु राशि- आपके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण और सतर्क रहने का है, क्योंकि आपकी राशि के अष्टम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में अचानक कुछ बाधाएं आ सकती हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है। बिजनेस में कोई भी बड़ा निवेश फिलहाल टाल दें, आर्थिक हानि का जोखिम बना रहेगा। लव लाइफ में विवादों से बचें और पार्टनर के साथ पारदर्शी रहें।

मकर राशि - आपके लिए साझेदारी और दांपत्य सुख में वृद्धि का है, क्योंकि आपकी राशि के सप्तम भाव में चंद्रमा का संचरण हो रहा है। बिजनेस में नई साझेदारी फलदायी रहेगी और व्यापार में तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। करियर में आपके जीवनसाथी या पार्टनर की सलाह से बड़ा लाभ हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और निवेश के लिए समय अनुकूल है।

कुंभ राशि- आपके लिए मेहनत और अनुशासन का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के छठे भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लेकिन आपकी दृढ़ता आपको शत्रुओं पर विजय दिलाएगी। नौकरीपेशा जातकों को मेहनत का उचित फल मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और फालतू खर्चों पर रोक लगाएं।

मीन राशि- आपके लिए रचनात्मकता और संतान पक्ष से खुशी का होगा, क्योंकि आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा स्वराशि में स्थित हैं। करियर में आपके नवाचार और बुद्धि की सराहना होगी, जिससे पदोन्नति का मार्ग खुलेगा। बिजनेस में नई योजनाओं पर अमल करना लाभदायक रहेगा और आर्थिक लाभ होगा। लव लाइफ में रोमांस चरम पर रहेगा और रिश्तों में नयापन आएगा। शिक्षा और प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को अपार सफलता मिलेगी।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के लिए करें ये काम...

गर्मी की छुट्टियां बच्चों के लिए सबसे मजेदार समय होता है, लेकिन अगर यह समय सही तरीके से प्लान न किया जाए, तो बच्चे जल्दी बोर हो जाते हैं और अधिकतर समय मोबाइल या टीवी में बिताने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों की छुट्टियां मनोरंजन के साथ-साथ सीखने और मानसिक विकास का भी मौका बनें।

- **कहानी और किताबें पढ़ने की आदत**
गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को अच्छी कहानी की किताबें पढ़ने के लिए दें। इससे उनकी भाषा, सोचने की क्षमता और ज्ञान बढ़ता है। आप रोज 20–30 मिनट का "रीडिंग टाइम" फिक्स कर सकते हैं।
- **गार्डनिंग सिखाएं**
बच्चों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे प्रकृति के प्रति लगाव बढ़ता है और जिम्मेदारी का एहसास होता है।
- **छोटी-छोटी कुकिंग एक्टिविटी**
बच्चों को आसान चीजें बनाना सिखाएं, जैसे सैंडविच, सलाद या शरबत। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और नई स्किल सीखने को मिलती है।
- **आउटडोर खेल जरूरी**
शाम के समय बच्चों को पार्क में खेलने भेजें या साइकिल चलाने के लिए कहें। इससे उनका शारीरिक और मानसिक दोनों विकास होता है और स्क्रीन टाइम कम होता है।
- **नई हॉबी विकसित करें**
बच्चों को संगीत, डांस, योगा या भाषा सीखने जैसी नई चीजें सिखाएं। नई हॉबी से उनका आत्मविश्वास और रुचि बढ़ती है।
- **परिवार के साथ समय बिताएं**
बच्चों के साथ बैठकर खेल खेलें, बातें करें या साथ में कोई फिल्म देखें। इससे उनका भावनात्मक विकास मजबूत होता है।
- **क्रिएटिव एक्टिविटी कराएं** : बच्चों को ड्राइंग, पेंटिंग, क्राफ्ट या मिट्टी से चीजें बनाने जैसी गतिविधियों में शामिल करें। इससे उनकी कल्पनाशक्ति बढ़ती है और दिमाग सक्रिय रहता है।
- **पजल और ब्रेन गेम्स** : लूडो, शतरंज, पजल, सुडोकू जैसे खेल बच्चों के दिमाग को तेज करते हैं। ये गेम्स बच्चों की लॉजिकल सोच और समस्या सुलझाने की क्षमता को बढ़ाते हैं।

निष्कर्ष

गर्मी की छुट्टियां सिर्फ आराम का समय नहीं, बल्कि बच्चों के संपूर्ण विकास का बेहतरीन मौका होती हैं। अगर आप सही तरीके से उनका समय प्लान करेंगे, तो न सिर्फ बच्चों को बोरियत नहीं होगी, बल्कि उनकी सोच, आत्मविश्वास और रचनात्मकता भी बढ़ेगी।

तोरई की सब्जी भी देगी अलग ही अंदाज में स्वाद

भरवां तोरई एक पारंपरिक और स्वाद से भरपूर सब्जी है, जिसे खास तौर पर घर के खाने में पसंद किया जाता है। मसालों की खुशबू से भरी साधारण तोरई को भी बेहद खास बना देती है। सही तरीके से बनाई जाए, तो पराठे के साथ लाजवाब लगती है। आइए जानते हैं भरवां तोरई बनाने की पूरी रेसिपी।

आवश्यक सामग्री

तोरई – 4 मध्यम आकार की, सरसों का तेल – 3 टेबलस्पून, प्याज – 1 बारीक कटा

भरावन के लिए: सौंफ पाउडर – 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर – 2 छोटे चम्मच, सौंफ साबुत – 1 छोटा चम्मच, अमचूर पाउडर – छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर – स्वादानुसार, हल्दी पाउडर – छोटा चम्मच, गरम मसाला – छोटा चम्मच, नमक – स्वादानुसार।

बनाने की विधि

सबसे पहले तोरई को अच्छी तरह धो लें और हल्का-सा छिलका उतार लें। अब लंबाई में एक गहरा चीरा लगाएं, ध्यान रखें कि तोरई पूरी कटे नहीं, बस उसमें मसाला भरने की जगह बन जाए। एक कटोरे में सभी सूखे मसाले, धनिया पाउडर, सौंफ, सौंफ पाउडर, हल्दी, लाल मिर्च, अमचूर, गरम मसाला और नमक, अच्छी तरह मिला लें। यही मसाला भरावन के लिए उपयोग होगा। तैयार मसाले को चम्मच या हाथ की मदद से तोरई के बीच बने चीरे में भर दें। मसाला अच्छी तरह भरें ताकि पकने पर स्वाद अंदर तक जाए। कढ़ाही में सरसों का तेल गरम करें। चाहें तो पहले प्याज डालकर हल्का सुनहरा भून लें। अब भरी हुई तोरई कढ़ाही में धीरे-धीरे रखें। ढककर धीमी आंच पर 10–15 मिनट पकाएं। बीच-बीच में तोरई को हल्के हाथ से पलटते रहें, ताकि जले नहीं। जब तोरई नरम हो जाए और मसाले तेल छोड़ने लगें, तब गैस बंद कर दें। जरूरत लगे तो ऊपर से 1–2 चम्मच पानी छिड़क सकते हैं, ताकि सब्जी सूखी न रहे।

भाजपा का दो दिवसीस प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

12 विषयो पर विषय वक्ताओं ने दिया अपना संबोधन, सशक्त : संगठन और सक्रिय कार्यकर्ता यही प्रशिक्षित भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान – गजेंद्र यादव

दुर्ग। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के तहत भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पूरे देश भर में प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है प्रशिक्षण वर्ग के तहत भाजपा दुर्ग जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में सचिता लान सोमनी टोल प्लाजा के पास संपन्न हुआ आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में द्वितीय दिवस 6 सत्र में संपादित हुआ जिसमें विभिन्न विषयों पर वक्ताओं ने अपना संबोधन प्रस्तुत किया द्वितीय दिवस के सप्तम सत्र जिसमें मुख्य वक्ता यशवंत जैन भाजपा प्रदेश महामंत्री जिन्होंने कार्य पद्धति समझना अपनाना और व्यवहार में लाना विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया इस सत्र की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेल चंदन ने की, आठवां सत्र सुनील पिल्लई जिन्होंने बुथ प्रबंधन, मन की बात,आईटी के विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया सत्र की अध्यक्षता कांतिलाल बोथरा छत्तीसगढ़ राइस मिल एसोसिएशन अध्यक्ष, नवम सत्र तेज पाल शर्मा जिन्होंने सोशल मीडिया का उपयोग नई तकनीक, एआई ,प्रभावी सूचना तंत्र एवं संगठन के सकारात्मक परसेप्शन निर्माण पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया सत्र के अध्यक्षता

आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर ने की, मीडिया प्रबंधन के विषय पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर बग्गा ने अपना संबोधन प्रस्तुत किया सत्र के अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी ने की, दशम सत्र शताब्दी पांडेय भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जिन्होंने विचार परिवार पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया सत्र की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उषा टावरी ने की, एकादश सत्र डॉ अवधेश जैन प्रदेश संयोजक प्रशिक्षण विभाग जिन्होंने हमारा सैद्धांतिक अधिष्ठान विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश ताम्रकार ने की, द्वादश एवं समापन सत्र केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने अपनी सरकारों की गरीब कल्याण योजना और क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया सत्र की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की समापन सत्र में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, प्रशिक्षण महाअभियान के प्रदेश संयोजक अवधेश जैन उपस्थित रहे।

प्रत्येक सत्र के पश्चात विषय वक्ताओं को श्री राम चरित्र मानस भेंट स्वरूप प्रदान की- इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने अपनी सरकारों की गरीब कल्याण योजना और क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका पर अपना संबोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि

भारतीय जनता पार्टी की सरकारें -अंत्योदय- के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारों ने गरीब, किसान, महिला, युवा, श्रमिक एवं वंचित वर्गों के उत्थान हेतु अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की हैं।

श्री यादव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, मुफ्त राशन योजना, जनधन योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देना है।

गजेंद्र यादव ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच सेतु के रूप में कार्य करते हैं। संगठन का दायित्व है कि वह योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाए, पात्र हितग्राहियों की सहायता करे, जनसमस्याओं को शासन तक पहुंचाए तथा लाभार्थियों से सतत संपर्क बनाए रखे।

प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को योजनाओं की जानकारी, क्रियान्वयन की प्रक्रिया तथा जनसंपर्क की कार्यपद्धति से प्रशिक्षित करना है, ताकि प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और सुशासन के भाव से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा सके।

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग महा अभियान के प्रदेश संयोजक अवधेश जैन ने हमारा सैद्धांतिक अधिष्ठान के विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सैद्धांतिक अधिष्ठान राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रचेतना, अंत्योदय, एकात्म मानववाद एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। पार्टी का मूल उद्देश्य केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण के माध्यम से भारत को विश्वगुरु बनाना है।

श्री जैन ने आगे कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित -एकात्म मानववाद- भाजपा की विचारधारा का प्रमुख आधार है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के समन्वित विकास की बात करता है। वहीं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचार एवं -राष्ट्र प्रथम- की भावना संगठन की कार्यशैली को दिशा प्रदान करते हैं।

अवधेश जैन ने आगे कहा कि भाजपा का सैद्धांतिक अधिष्ठान -सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास- के मंत्र के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर समावेशी विकास की अवधारणा को मजबूत करता है। पार्टी सेवा, सुशासन, पारदर्शिता और संगठनात्मक अनुशासन को अपनी कार्यप्रणाली का आधार मानती है।प्रशिक्षण वर्ग में इस विषय का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को पार्टी की मूल विचारधारा, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं संगठनात्मक मूल्यों से परिचित कराना है, ताकि प्रत्येक कार्यकर्ता वैचारिक रूप से सशक्त होकर राष्ट्रहित एवं समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा सके।

आयोजित प्रशिक्षण वर्ग का संचालन जिला महामंत्री दिलीप साहू ने किया – आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला महामंत्री एवं टोली संयोजक दिलीप साहू, विनोद अरोरा, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं टोली सदस्य चंद्रिका चंद्राकर, जिला उपाध्यक्ष एवं टोली सदस्य शिवेंद्र परिहार, वरिष्ठ नेता एवं टोली सदस्य राजेंद्र पाण्डे, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं टोली सदस्य तेखन सिन्हा जिला प्रशिक्षण वर्ग नियंत्रक संतोष सोनी सहित अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्काउट-गाइड कैडेट्स की अनूठी पहल

'तरुण्य वार्ता' और नुक्कड़ नाटक से मिटा रहे माहवारी की भ्रांतियां

दुर्ग। जिले में स्काउट-गाइड के कैडेट्स समाज सुधार की दिशा में एक नई और प्रेरणादायक पहल कर रहे हैं। समाज में आज भी वर्जित माने जाने वाले विषयों पर खुलकर बात करने के लिए कैडेट्स ने 'तरुण्य वार्ता' की शुरुआत की है। इसके माध्यम से किशोर-किशोरियों और आम जनता को जागरूक किया जा रहा है। विशेष रूप से माहवारी (पीरियड्स) को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों, अंधविश्वास और कुरीतियों को दूर करने के लिए ये कैडेट्स नुक्कड़ नाटकों का सहारा ले रहे हैं।

महावारी बीमारी नहीं, एक प्राकृतिक प्रक्रिया- स्काउट-गाइड के जांबाज कैडेटों ने शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और रिहायशी इलाकों में नुक्कड़ नाटकों का जीवंत प्रदर्शन किया। नाटकों के जरिए उन्होंने समाज को यह कड़ा संदेश दिया कि माहवारी कोई बीमारी या अछूत विषय नहीं है, बल्कि यह एक सामान्य और प्राकृतिक शारीरिक प्रक्रिया है। 'तरुण्य वार्ता' के सत्रों के दौरान स्वच्छता, किशोर स्वास्थ्य और लैंगिक समानता जैसे गंभीर विषयों पर भी खुलकर चर्चा की जा रही है।

कलेक्टर ने थपथपाई पीठ- इस सामाजिक मुहिम की सफलता और अब तक किए गए कार्यों का ब्योरा देने के लिए कैडेट्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज जिला कलेक्टर से मुलाकात की। कलेक्टर ने कैडेटों के इस साहसिक और संवेदनशील प्रयास की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने इसे समाज के लिए एक बेहतरीन प्रेरणा बताते हुए कहा कि ऐसी रूढ़िवादिता को खत्म करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। कलेक्टर ने टीम को आगे भी इस तरह के जागरूकता अभियान निरंतर जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

नाला चौड़ीकरण कार्य का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण, अवैध अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्र में चल रहे नाला रिटर्निंग वॉल एवं अवैध अतिक्रमण की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा अवैध अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त जोन टीम के साथ साइकिल से प्रातः मॉडल टाऊन विनोबा नगर एवं जुनवानी स्थित एमजे कॉलेज के बगल में चल रहे नाला रिटर्निंग वॉल कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि बरसात के दौरान अधिक वर्षा होने पर क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे आम नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए नाले का वॉल निर्माण कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एमजे कॉलेज के सामने प्रधानमंत्री आवास के पास अवैध अतिक्रमण कर बाउंड्रीवाल निर्माण एवं गेट लगाए जाने का मामला सामने आया। नाला का सीमांकन करवाने पश्चात् कार्य करने कहा गया है। अतिक्रमण पर निगम आयुक्त ने सख्ती दिखाते हुये तत्काल कार्रवाई करने कहा है। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए है ।

वार्ड 11 से 20 की समस्याओं पर महापौर अलका बाघमार ने ली समीक्षा बैठक

- साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, नाली एवं प्रकाश व्यवस्था के मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11 से 20 तक के विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं की समीक्षा को लेकर महापौर अलका बाघमार ने डाटा सेंटर में बैठक आयोजित की। बैठक में एमआईसी सदस्य, संबंधित वार्डों के पार्षद एवं निगम अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान वार्डवार समस्याओं एवं आवश्यक विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पार्षदों ने रखी वार्डों की प्रमुख समस्याएं- बैठक में महापौर श्रीमती बाघमार ने वार्ड क्रमांक 11 से 20 तक के पार्षदों से बारी-बारी उनके क्षेत्रों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। पार्षदों ने साफ -सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क एवं नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार, पाइपलाइन लीकेज, बोर रिपेयरिंग, सुलभ शौचालयों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था तथा नालियों की सफाई से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से रखा। बिना अनुमति नए नल कनेक्शन पर रहेगी रोक, महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बिना बिल्डिंग परमिशन किसी भी नए नल कनेक्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर निजी नल कनेक्शन होने के बावजूद सार्वजनिक नल चालू हैं, जिससे अनावश्यक जल व्यय हो रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश- महापौर ने अधिकारियों से कहा कि पार्षदों द्वारा उठाई गई समस्याओं का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए तथा कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित वार्ड पार्षदों को इसकी जानकारी भी दी जाए। उन्होंने सड़क सीमा क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने एवं शहर के मुख्य मार्गों सहित सभी वार्डों में नियमित साफ -सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

भिलाई के गौठान में पशु क्रूरता का बड़ा खुलासा : कार्रवाई की मांग को लेकर दंडवत कलेक्ट्रेट पहुंचा फरियादी

40 डिग्री की गर्मी में भिलाई से दुर्ग पहुंचा

विशेष संवाददाता, दुर्ग-भिलाई। भिलाई नगर निगम के सुपेला स्थित कोसा नाला गौठान में गायों के साथ अमानवीय व्यवहार और गंभीर पशु क्रूरता का मामला सामने आया है। इस संबंध में दुर्ग के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) विजय अग्रवाल को एक लिखित शिकायत सौंपकर नगर निगम कमिश्नर राजीव पांडेय, गौठान संचालक राम अवतार जंघेल और रेखा बघेल के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

दूध निकालने के बाद धूप में मरने छोड़ देते हैं- शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि पिछले कुछ वर्षों से गौठान में गायों को भूखा-प्यासा रखकर तड़पाया जा रहा है। दुधारू गायों का कृत्रिम गर्भाधान कराकर जबरन दूध निकाला जाता है और उस दूध को बड़े अधिकारियों के बंगलों में पहुँचाया जाता है। इसके विपरीत, जो गाएं दूध देने लायक नहीं बचतीं, उन्हें दिनभर भीषण धूप में बिना पानी और चारे के छोड़ दिया जाता है।

गौ सेवकों को मिल रही धमकियां- शिकायतकर्ताओं का कहना है कि हर दिन कई गाएं बिना इलाज, भोजन और पानी के तड़प-तड़प कर दम तोड़ रही हैं, जिसे एक 'सुनियोजित हत्या' करार दिया गया है। जब स्थानीय गौ सेवकों ने इस बदहाली के खिलाफ मौखिक और लिखित शिकायत दर्ज कराई, तो नगर निगम कमिश्नर और ठेकेदार ने दादागिरी करते हुए उल्टा गौ सेवकों को ही डराना-धमकाना शुरू कर दिया।

बिना पोस्टमॉर्टम शव गायब करने और गायें बेचने का आरोप भी उजागर किया गया है कि गौठान की आड़ में अवैध रूप से डेयरी चलाई जा रही है। अब तक हजारों मवेशी असमय मौत के गाल में समा चुके हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मवेशियों की मौत के बाद उनका कोई पोस्टमॉर्टम (PM) नहीं कराया जाता और न ही कोई रिकॉर्ड रखा जाता है। इसके अलावा, गौठान से गुपचुप तरीके से गायों को बेचने का भी गंभीर आरोप लगाया गया है। इस मामले में पुलिस प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर दोषियों को जेल भेजने की मांग की गई है। इसके लिए फरियादी उमेश बिसेन बुधवार को भिलाई कोसा नाला से दंडवत दुर्ग कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनदर्शन में ज्ञापन सौंपा।

पीढ़ियों से बसे पर आशियाने का हक नहीं खपरी के ग्रामीणों ने पट्टे के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

80-90 वर्षों से रह रहे हैं ग्राम खपरी के 40 से 50 परिवार प्रभावित

राजस्व रिकॉर्ड में 'घास भूमि' दर्ज होने से नहीं मिल पा रहा मालिकाना हक

जमीन को आबादी भूमि घोषित कर आवासीय पट्टा देने की लगाई गुहार

विशेष संवाददाता/ दुर्ग। जिला मुख्यालय में आज ग्रामीण पीड़ा की एक बेबस तस्वीर सामने आई, जहां दशकों से बसे परिवार आज भी अपने ही आशियाने पर कानूनी हक पाने के लिए तरस रहे हैं। दुर्ग जिले के ग्राम खपरी के दर्जनों ग्रामीणों ने आज जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा और अपनी तीन पीढ़ियों पुराने आशियाने के लिए इंसाफ की गुहार लगाई।

राजस्व रिकॉर्ड में 'घास भूमि' बनी गले की फांस- ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम खपरी में करीब 40 से 50 परिवार पिछले 80 से 90 वर्षों से मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। उनके दादा-परदादा के जमाने से दो से तीन पीढ़ियां इसी जमीन पर पली-बढ़ी हैं। वर्षों पुराना रहवास होने के बावजूद राजस्व रिकॉर्ड में यह जमीन आज भी -घास भूमि- (चरनोई) के रूप में दर्ज है। तकनीकी पेंच के कारण ग्रामीणों को न तो अब तक आवासीय पट्टा मिल सका है और न ही स्वामित्व का कोई कानूनी अधिकार।

सम्मान और सुरक्षा की लड़ाई- कलेक्टर कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा बयां करते हुए कहा कि बिना वैधानिक अधिकार के वे हमेशा बेदखली के डर के साए में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस घास भूमि को तत्काल 'आबादी भूमि' घोषित किया जाए, ताकि उन्हें मालिकाना हक का पट्टा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी यह मांग सिर्फ जमीन के टुकड़े की नहीं, बल्कि उनके सम्मान और आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा की है।

अब देखना होगा कि जिला प्रशासन पीढ़ियों से संघर्ष कर रहे इन 40 से 50 ग्रामीण परिवारों की इस गंभीर समस्या पर कब तक संज्ञान लेता है और उन्हें उनका वैधानिक अधिकार कब तक मिल पाता है।

दुर्ग में केमिस्टों की हड़ताल : अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मेडिकल लाइन बंद

पीएम मोदी के नाम को सौंपा ज्ञापन

विशेष संवाददाता/दुर्ग । अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध और छोटे केमिस्टों के संरक्षण के लिए बुधवार को दुर्ग जिले के सभी दवा विक्रेताओं ने अपनी दुकानें पूरी तरह बंद रखीं। 'दुर्ग डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन' के बैनर तले आयोजित इस एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के कारण जिले में दवाइयों की किल्लत देखने को मिली। कारोबारियों ने स्थानीय प्रशासन के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक मांग पत्र भी प्रेषित किया है।

जनस्वास्थ्य और मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा- एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के इंटरनेट के माध्यम से दवाओं की धड़ल्ले से बिक्री की जा रही है। फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन, बिना वैध चिकित्सीय परामर्श के घर-घर दवा वितरण और ऑनलाइन कंपनियों द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट (Deep Discounting) से आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। यह स्थिति मरीजों की सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर खतरा बन चुकी है।

कानून का उल्लंघन और व्यापारियों पर संकट- केमिस्ट एसोसिएशन का आरोप है कि 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940' एवं 'नियम 1945' में ऑनलाइन दवा बिक्री का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद ई-कॉमर्स कंपनियां नियमों की धज्जी उड़ाते हुए दवाएं बेच रही हैं। इस अवैध कारोबार के कारण देश और प्रदेश के लाखों लाइसेंसधारी छोटे केमिस्ट और दवा व्यापारियों के अस्तित्व और आजीविका पर सीधा संकट खड़ा हो गया है।

राष्ट्रव्यापी आह्वान का समर्थन- एसोसिएशन ने बताया कि यह आंदोलन 'ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स' (AIOCD) और 'छ.ग. राज्य केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन' के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर किया गया है। दुर्ग जिले के समस्त केमिस्ट और दवा विक्रेताओं ने एकजुट होकर इस बंद को सफल बनाया। दवा विक्रेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने ऑनलाइन दवाओं की अवैध बिक्री पर तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो आने वाले समय में आंदोलन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायतीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com